मनदीप कौर, डायरैक्टर

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

आज तक आमने-सामने

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर | मुल्य : 5 रुपए

Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com

RNI No-Punhin2013/54688 16-28 February 2026

एस. के. सक्सैना, मुख्य संपादक

साल 2026 / संपादक एसके सक्सैना / www aajtakaamnesaamne.com / Help Line 9878552070

नार्को टेस्ट के लिए तैयार-अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी, एजंसी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शुक्रवार को कहा कि उनके खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के तहत दर्ज मामले में यदि सच्चाई का पता लगाने के लिए नार्को टेस्ट जरूरी हो तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि नार्को टेस्ट से स चाई सामने आ सकती है तो यह अवश्य किया जाना चाहिए। सच उजागर करने के लिए जो भी तरीके उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाया जाना चाहिए। नार्को टेस्ट एक वैज्ञानिक जांच प्रक्रिया है, जिसमें किसी संदिग्ध को सोडियम पेंटोथल जैसी दवा दी जाती है। इसके असर से वह पूरी तरह होश में नहीं रहता, लेकिन सवालों के जवाब दे सकता है जिससे उसके सच बोलने की संभावना बढ़ जाती है। यह परीक्षण अदालत की अनुमति और व्यक्ति की सहमति के बाद विशेषज्ञों की निगरानी में ही होता है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि झूठ अधिक समय तक नहीं टिकता। जिन्होंने झूठी कहानी गढ़ी है, वे बेनकाब हो रहे हैं। जैसे–जैसे लोगों को इस मनगढ़ंत मामले की जानकारी होगी, स चाई स्पष्ट हो जाएगी।

कांग्रेस ने देश को बदनाम करने की कोशिश की–मोदी

समिट में प्रदर्शन पर बोले देश के प्रधान मंत्री

नई दिल्ली, एजंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस की युवा शाखा के कार्यकर्ताओं के विरोध–प्रदर्शन को लेकर शनिवार को विपक्षी दल पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। मोदी ने अजमेर के पास कायड़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में लगातार हार रही कांग्रेस गुस्से में इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीगी–माओवादी कांग्रेस बन गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हाल में हुई एआई इम्पैक्ट समिट का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इस भव?य आयोजन से जहां देश के लोगों को गर्व महसूस हो रहा था वहीं हताशा, निराशा में डूबी... लगातार पराजय के कारण थक चुकी कांग्रेस ने देश को बदनाम करने की कोशिश की। मोदी ने कहा, दुनिया भर के मेहमानों के सामने कांग्रेस ने देश को बदनाम करने की कोशिश की। इन्होंने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बेइ जत करने के लिए पूरा ड्रामा किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस पूरे देश में लगातार हार रही है और गुस्से में वो इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। प्रधानमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, कभी कांग्रेस आईएनसी यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी लेकिन अब आईएनसी नहीं बची है... इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं बची है... आज वो आईएनसी के बजाय एमएमसी बन गई है। एमएमसी यानी मुस्लिम लीग – माओवादी कांग्रेस हो चुकी है। मोदी ने कहा, इतिहास गवाह है कि मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी और इसलिए मुस्लिम लीग ने देश को बांट दिया। आज कांग्रेस भी वही कर रही है। उन्होंने कहा, माओवादी भी भारत की समृद्धि, हमारे संविधान और हमारे सफल लोकतंत्र से नफरत करते हैं। ये घात लगाकर हमला करते हैं। कांग्रेस भी घात लगाकर देश को बदनाम करने के लिए कहीं भी घुस जाती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के ऐसे कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा। मोदी ने कहा कि देश को बदनाम करना, देश की सेनाओं को कमजोर करना... ये कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, यही कांग्रेस है जिसने हमारी सेना के जवानों को हथियारों व वर्दी तक के लिए तरसा के रखा था। प्रधानमंत्री के अनुसार, बीते 11 वर्षों में भारत की सेना ने हर मोर्चे पर, आतंकियों पर, देश के दुश्मनों पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा, हमारी सेना हर मिशन, हर मोर्चे में विजयी रही है। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक सेना ने अपनी वीरता का लोहा मनवाया। लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने इसमें भी दुश्मनों के झूठ को ही आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, देश के लिए जो भी शुभ है, जो भी अ छा है, जो भी देश वासियों के लिए भला करने वाला है... कांग्रेस उस सब का विरोध करती है। इसलिए देश आज कांग्रेस को सबक सिखा रहा है। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दो साल के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि मुझे संतोष है कि आज राजस्थान विकास के नए पथ पर अग्रसर है। विकास के जिन वादों के साथ भाजपा सरकार आपकी सेवा में आई थी उन्हें तेजी के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि अब राजस्थान में पेपर लीक पर लगाम लग गया है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो रही है। मोदी ने इस अवसर पर कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इस अवसर रा यपाल हरिभाउ बागडे व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

भगवंत मान सरकार की मेरी रसोई योजना

40 लाख परिवारों को मिलेगी खाद्य सामग्री

एस. के. सक्सैना

चण्डीगढ़–पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मेरी रसोई योजना शुरु करने की सोमवार को घोषणा की, जिसके तहत रा य सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत 40 लाख परिवारों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएगी। मान ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि इस पहल का उद्देश्य गरीब परिवारों के ब चों का पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि रा य सरकार पहले से ही इन लाभार्थियों को रियायती दरों पर गेहूं उपलब्ध करा रही है और वह रा य के प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिबद्ध है। नयी योजना के तहत, सरकार दो किलोग्राम दाल, दो किग्रा चीनी, एक किग्रा आयोडीन युक्त नमक, 200 ग्राम हल्दी और एक लीटर सरसों का तेल देगी। मान ने कहा कि यह पाया गया है कि गरीब परिवारों के कई बच्चों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य सामग्री का वितरण तिमाही आधार पर किया जाएगा और वितरण का पहला चरण अप्रैल में शुरू होगा। उन्होंने बताया कि यह योजना मार्कफेड और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा संचालित की जाएगी तथा मानकों को बनाए रखने के लिए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की समय–समय पर जांच की जाएगी।

मान ने किया फिरोजपुर फीडर नहर के रेनोवेशन के पहले फेज का उद्घाटन

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने फिरोजपुर फीडर नहर के रेनोवेशन के पहले फेज का उद्घाटन किया और इसे किसानों के लिए एक ऐतिहासिक तोहफा बताया. उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम भविष्य में पंजाब के पानी को बचाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा. इस नहर को मालवा क्षेत्र की लाइफलाइन बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रोजेक्ट फिरोजपुर, फरीदकोट, श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों के लिए वरदान सिद्ध होगा. प्रोजेक्ट से सिंचाई क्षमता बढ़ी है– सीएम भगवंत मान सीएम भगवंत मान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से सिंचाई की क्षमता बढ़ी है, जिससे पंजाब के खेतों तक नहर का पानी और पहुंचेगा. 180 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट से इस नहर की क्षमता 2681 क्यूसिक बढ़ गई है, जिससे इसकी क्षमता 11,192 क्यूसिक से बढ़कर 13,873 क्यूसिक हो गई है.

तेहरान में विस्फोट, इस्राइल में इमरजेंसी

भारतीयों के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजंसी

नई दिल्ली, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच तेल अवीव में स्थित भारतीय दूतावास ने इस्राइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने कहा है कि मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए भारतीय नागरिक अत्यधिक सावधानी बरतें, सतर्क रहें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। एडवाइजरी में खास तौर पर इस्राइल डिफेंस फोर्स के होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने पर जोर दिया गया है। दूतावास ने अपने बयान में कहा, 卐इलाके में मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए, इस्राइल में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे बहुत सावधानी बरतें और हर समय चौकन्ने रहें। इस्राइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करें। दूतावास ने नागरिकों से अनावश्यक यात्रा से बचने, सुरक्षित स्थानों की जानकारी रखने और आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की भी सलाह दी है। बता दें, शनिवार सुबह इस्राइल ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी। रक्षा मंत्री ने देश में आपातकाल घोषित किया। ईरान की राजधानी तेहरान में जोरदार विस्फोट की खबरें सामने आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शहर के मध्य क्षेत्र से धुएं का गुबार उठता देखा गया। सरकारी टेलीविजन ने विस्फोट की पुष्टि की, हालांकि कारण स्पष्ट नहीं किया।

केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 बरी

सीबीआई को फटकार, दिल्ली आबकारी नीति मामले में 'आप' को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजंसी

दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं को बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता और 20 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई से नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा। विशेष जज जितेंद्र सिंह ने कहा कि अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि रिकॉर्ड में रखी गई जानकारी से किसी भी आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया भी कोई मामला नहीं बनता। विशेष जज ने अपने आदेश में कहा, 'ऐसा लगता है कि जांच पहले से तय रास्ते पर आगे बढ़ी, जिसमें नीति बनाने या लागू करने से जुड़े लगभग हर व्यक्ति को फंसाया गया, ताकि एक कमजोर कहानी को गहराई और भरोसे का भ्रम दिया जा सके। ऐसे आरोपों को गोवा विधानसभा चुनावों से जोड़ना कानूनी तौर पर टिकाऊ चीजों के बजाय धारणा पर ज्यादा आधारित है।' अदालत ने कहा, 'हालांकि उप राज्यपाल से सुझाव लेने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक जरूरत नहीं थी, फिर भी सुझाव मांगे गये।' अदालत ने कहा कि किसी आरोपी को स्वीकार्य साक्ष्य के घोर अभाव में आपराधिक मुकदमे की कठिनाइयों का सामना करने के लिए बाध्य करने से न्याय पूरा नहीं होता। वहीं, सीबीआई ने विशेष अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि जांच के कई पहलुओं की या तो अनदेखी की गई या उन पर सही से विचार नहीं किया गया। 'साउथ ग्रुप' शब्द के इस्तेमाल पर खिंचाई ÷ मामले में सीबीआई द्वारा 'साउथ ग्रुप' शब्द के इस्तेमाल पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए उसे भाषा के चयन में संयम बरतने को लेकर चेतावनी दी। फैसला आते ही पत्रकारों से बातचीत में केजरीवाल रो पड़े। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला स्वतंत्र भारत के इतिहास में 'सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश' थी। तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल ने कहा, 'अदालत ने साबित कर दिया है कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं।' इस मामले में केजरीवाल छह महीने जेल में रहे, जबकि सिसोदिया करीब डेढ़ साल तक सलाखों के पीछे रहे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, मंत्री अमन अरोड़ा, 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी समेत अनेक नेताओं ने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है। ईडी की गिरफ्तारी शक्तियों पर सवाल अदालत ने 598 पृष्ठों के आदेश में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी शक्तियों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल आरोपों के आधार पर आरोपियों को लंबे समय तक जेल में रखना, उनके व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को गंभीर रूप से खतरे में डालता है। अदालत ने जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही का आदेश दिया। पूर्व आबकारी उपायुक्त कुलदीप सिंह को साक्ष्यों के अभाव के बावजूद 'आरोपी नंबर एक' बनाने और कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध की श्रेणी में रखने व गवाह के रूप में पेश किये जाने पर सवाल उठाये।

एनसीईआरटी ने वापस मंगवाई प्रतिबंधित आठवीं की पाठ्यपुस्तक

एनसीईआरटी का कड़े शब्दों में परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजंसी

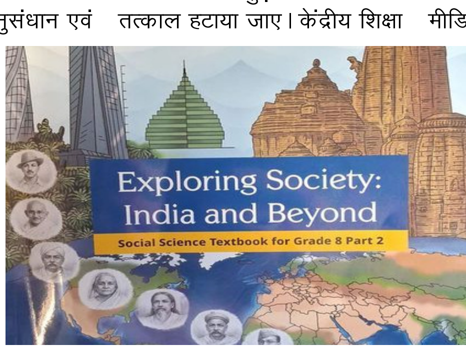

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने शुक्रवार को एक परामर्श जारी कर कहा कि जिन लोगों के पास न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के अध्याय वाली आठवीं कक्षा की प्रतिबंधित पाठ्यपुस्तकें हैं, वे उन्हें जल्द से जल्द लौटाएं। एनसीईआरटी ने कड़े शब्दों में जारी परामर्श में यह भी आह्वान किया है कि सोशल मीडिया पर साझा की गई प्रतिबंधित पाठ्यपुस्तकों के विवादास्पद अध्याय से जुड़ी सामग्री को तत्काल हटाया जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को बृहस्पतिवार को पत्र लिखकर उनसे एनसीईआरटी की विवादास्पद पाठ्यपुस्तक का डिजिटल मंचों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए प्रसार रोकने को कहा था। परामर्श में कहा गया है, जिस किसी व्यक्ति या संगठन के पास एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक एक्सप्लोरिंग सोसाइटी÷ इंडिया एंड बियॉन्ड है, वह इसे (एनसीईआरटी) मुख्यालय में लौटा सकता है। हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका अध्याय से संबंधित कोई भी सामग्री यदि सोशल मीडिया या किसी भी डिजिटल मंच पर साझा की गई है तो उसे यथाशीघ्र हटाया जाए।

न्यायिक अफसरों के प्रशिक्षण मॉड्यूल पर बंगाल की आपत्ति खारिज

नई दिल्ली, एजंसी

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा यह बताए जाने के बाद कि निर्वाचन आयोग ने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया था, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने न्यायिक अधिकारियों को जानता है और वे किसी भी चीज से प्रभावित नहीं होंगे। पश्चिम बंगाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। सिब्बल ने पीठ को बताया, कुछ अजीबोगरीब घटना घटी है। माननीय न्यायाधीशों ने आदेश पारित किया कि सभी तौर–तरीके कलकत्ता उ च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और समिति द्वारा तय किए जाएंगे, जबकि उन्होंने (निर्वाचन आयोग) पीठ पीछे न्यायिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं और एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें क्या स्वीकार करना चाहिए और क्या नहीं। सीजेआई ने कहा कि रा य में इस प्रक्रिया के लिए तैनात न्यायिक अधिकारी इस पर निर्णय लेंगे। सीजेआई ने कहा, हम इस तरह की बातें बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'प्रचंड' में भरी उड़ान, टैंक पर साधा निशाना

ऐसा करने वाली वह पहली राष्ट्रपति

जयपुर, एंजसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत–पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में बतौर सह–पायलट उड़ान भरी। ऐसा करने वाली वह पहली राष्ट्रपति हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ उड़ान भरी, जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए. महेंद्र दूसरे विमान में सवार थे। लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील, जैसलमेर किले और पोकरण फायरिंग रेंज के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। राष्ट्रपति ने 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताते हुए कहा कि देश के वीर बहादुर सैनिकों को अत्यंत गर्व के साथ बहुत–बहुत धन्यवाद देती हूं।

संपादकीय

असलियत और कल्पना

आज का बचपन एक अजीब दोहरी दुनिया में जी रहा है—एक तरफ असलियत की मिट्टी जैसी खुशबू, दूसरी तरफ कल्पना का चमकता पर्दा। खेल के मैदान के गेम्स अब मोबाइल गेम्स में बदल गए हैं, कहानियों की किताबों की जगह एनिमेटेड वीडियो ने ले ली है। नतीजा यह है कि बचपन असल दुनिया और कल्पना की दुनिया के बीच उलझा हुआ है। बच्चे के विकास के लिए कल्पना ज़रूरी है। यह उसकी क्रिएटिविटी को

बढ़ावा देती है, उसे सपने देखने की हिम्मत देती है। परियों की कहानियां, लोक कथाएं और कॉमिक कैरेक्टर बच्चे के दिमाग को बड़ा बनाते हैं। लेकिन जब कल्पना असलियत से ज़्यादा हावी हो जाती है, तो दिक्कत शुरू होती है। बच्चे रील और असली के बीच का फ़र्क नहीं समझ पाते। डिजिटल मीडिया ने बच्चों के लिए एक ऐसी दुनिया बना दी है जहाँ सब कुछ तुरंत होता है—तुरंत मनोरंजन, तुरंत सफलता और तुरंत पहचान। इस कल्पना की दुनिया में हीरो हमेशा जीतता है, मुश्किलें बस कुछ ही मिनटों में खत्म हो जाती हैं। जब बच्चा असल ज़िंदगी में किसी मुश्किल का सामना करता है, तो उसे निराशा और हताशा महसूस होती है। उसे लगता है कि ज़िंदगी फ़िल्मों की तरह आसान होनी चाहिए। असलियत बच्चे को सब्र, संघर्ष और सहनशीलता सिखाती है। मिट्टी में खेलना, दोस्तों से बहस करना और फिर उन्हें मनाना, हारने के बाद भी दोबारा कोशिश करना—ये सभी अनुभव ज़िंदगी के सच्चे सबक हैं। अगर बचपन सिर्फ़ कल्पना के आधार पर बनाया जाएगा, तो वह असल ज़िंदगी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार नहीं होगा। यहां माता–पिता और टीचरों की भूमिका बहुत अहम है। उन्हें बच्चों को कल्पना की उड़ान देनी होगी और उन्हें असलियत की ज़मीन से भी जोड़े रखना होगा। किताबें पढ़ने की आदत, प्रकृति से संपर्क, खेलों में हिस्सा लेना और परिवार के साथ बातचीत—ये सभी तरीके बचपन को बैलेंस्ड बनाते हैं। बचपन की दुनिया हमेशा से कहानियों, परियों की कहानियों और जादुई कहानियों से भरी रही है। लेकिन आज के डिजिटल ज़माने ने बच्चों की कल्पना को एक नया लेकिन बहुत मुश्किल मोड़ दिया है। जहां पहले बच्चे अपने दादा–दादी से कहानियां सुनकर अपने मन में एक काल्पनिक दुनिया बनाते थे, वहीं आज के बच्चे वीडियो गेम और सोशल मीडिया के ज़रिए एक बनी–बनाई कल्पना में जी रहे हैं। बच्चों के लिए कल्पना सिर्फ़ एक खेल नहीं, बल्कि सीखने का एक ज़रिया है। जब कोई बच्चा सुपरहीरो की तरह काम करता है, तो वह असल में हिम्मत और ताकत के कॉन्सेप्ट को समझने की कोशिश कर रहा होता है। लेकिन, जब यह कल्पना 卐वर्चुअल रियलिटी卐 का रूप ले लेती है, तो बच्चा असल दुनिया के रिश्तों और भावनाओं से खुद को दूर करने लगता है। आजकल के बच्चों को कभी–कभी असलियत को मानना मुश्किल लगता है। इसके मुख्य कारण हैं डिजिटल दुनिया।मोबाइल स्क्रीन पर दिखने वाले चमकीले रंग और तुरंत मिलने वाली खुशी असल ज़िंदगी की धीमी रफ़्तार को बोरिंग बना देती है। बच्चे बाहर खेलने के बजाय वीडियो गेम में दोस्त बनाना ज़्यादा पसंद करते हैं, जिससे उनके सोशल डेवलपमेंट पर असर पड़ता है। यह कहना गलत होगा कि कल्पना बुरी होती है। कल्पना ही क्रिएटिविटी की जननी है। लेकिन चुनौती बच्चों को यह समझाना है कि स्क्रीन की दुनिया और ज़मीनी हकीकत में फ़र्क होता है। माता–पिता को बच्चों को नेचर से जोड़ना चाहिए, उन्हें किताबें पढ़ने के लिए बढ़ावा देना चाहिए और उनसे बातें करनी चाहिए ताकि वे अपने मन की पहेलियों को सुलझा सकें। सारांश- बचपन का असली मज़ा कल्पना की उड़ानों में है, लेकिन यह बहुत ज़रूरी है कि ये उड़ानें असलियत की ज़मीन पर हों। आखिर में, कल्पना और असलियत दोनों ही बचपन के ज़रूरी हिस्से हैं। कल्पना सपने देती है, असलियत उन्हें सच करने का रास्ता दिखाती है। अगर हम बच्चों को यह बैलेंस सिखाएंगे, तो वे न सिर्फ़ अच्छे सपने देखेंगे, बल्कि उनमें सच बनाने की काबिलियत भी आएगी।

आज तक आमने सामने

RNI NO -PUNHIN0/2013/54688
Printed by Mandeep Kaur, Published by Mandeep Kaur, Owned by Mandeep Kaur & Printed at Dashmash Printers 178-179 Ranjit Nagar, Jalnadhar City, Published 87 Ranjit Nagar Near Bus Stand, Jalandhar, Punjab

Editor Surinder Kumar (SK Saxena)
Responsible for selection of News under the PRB ACT.
All Rights Reserved Reproduction in whole or in Part without Permission in Prohibited, All disputes shall be settled at Jalandhar Jurisdiction only
Faxt No. : 0181-5024001, Conact No : 0181-5077100

आवश्यक सूचना

आज तक आमने-सामने का इस समाचार पत्र में मुद्रित वज्ञािपनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) के तथ्यों सबंधी कोई दायित्व नहीं है। महारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता। पाठकों से अनुरोध है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व सभी तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। -प्रधान संपादक

आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने से 'आप' को निशाना बनाने की साजिश बेनकाब-भगवंत सिंह मान

कहा, भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक दिन क्योंकि सच्चाई की जीत हुई

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया सहित अन्य नेताओं के खिलाफ आबकारी नीति मामले में अदालत द्वारा आरोपों को रद्द करने से पार्टी की स्थिति पर दृढ़ मोहर लगी है। पार्टी लगातार कहती रही थी कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी पार्टियों को निशाना बनाने के लिए केंद्र सरकार की कठपुतलियों की तरह काम कर रही हैं। एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय राजनीति का एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि अदालत ने अरविंद केजरीवाल और 23 अन्य को बरी कर दिया, जिनके खिलाफ सीबीआई ने गलत तरीके से केस दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार की आम आदमी पार्टी, जो अपने अच्छे कामों के जरिए देश भर में अपना आधार फैला रही है, को रोकने की निराशाजनक कोशिश थी। अदालत का यह आदेश इस बात का प्रमाण है कि चाहे अंधेरी रात कितनी भी लंबी क्यों न हो, अंततः सच्चाई और न्याय की ही जीत होती है। अरविंद केजरीवाल और पार्टी के समर्थन में प्रार्थना करने वाले लोगों का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आम जनता की दुआओं का ही चमत्कार है कि ईमानदार नेता आज सम्मानपूर्वक बरी हो गए। अदालत के आदेश ने सीबीआई के कामकाज पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिया है, जो अपने आकाओं के हाथों की कठपुतली बनकर काम कर रही थी। इसने लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने के लिए केंद्र में सत्ताधारी लोगों द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का पर्दाफाश किया। दिल्ली में हुए राजनीतिक घटनाक्रम का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि केवल चुनाव जीतने के लिए आम आदमी पार्टी की पूरी उच्च–स्तरीय नेतृत्व टीम को भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सलाखों के पीछे डाल दिया था। आज के फैसले ने साबित कर दिया है कि अरविंद केजरीवाल एक ईमानदार नेता हैं, जो केवल सत्य के मार्ग पर चलते हैं और जनता के दिलों में राज करते हैं। उन्होंने कहा कि 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक का हर कार्यकर्ता केवल लोगों की सेवा के लिए राजनीति में आया है। परंपरागत राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा अपने सत्ता के

दिनों में रोटेशन के आधार पर सत्ता का आनंद उठाती रही और एक–दूसरे के हित सुरक्षित रखती रही। ये पार्टियां हमेशा सत्ता की कुर्सी का खेल खेलती रही हैं और अपनी–अपनी बारी के अनुसार देश और जनता को लूटती रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह गंदा नाटक तब बंद हुआ जब आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीति में कदम रखा, जो इन पार्टियों को कभी मंजूर नहीं था। जो भी भ्रष्टाचार और इन पार्टियों की घिनौनी हरकतों के खिलाफ आवाज़ उठाता है, उसे बदले की भावना से निशाना बनाया जाता है और बिना किसी कारण जेल में डाल दिया जाता है। यह भ्रष्ट लोग, जो हर तरफ फैले हुए हैं, ईमानदार लोगों को निशाना बनाते हैं और उनके ऊपर झूठे केस लगाते हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा, 卐यह लोगों से वोट मांगने की बजाय वोटों का अपना डेटाबेस बनाकर लोकतंत्र को नष्ट करने की चाल है। जनता के सामने हाथ जोड़कर वोट मांगने के बजाय, केंद्र सरकार ने यह रणनीति बनाई है कि इन वोटरों का इस्तेमाल किसी भी राज्य में अपनी पार्टी की जीत के लिए किया जाए। यह देश, इसके लोग और लोकतंत्र के लिए घातक है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक इस व्यवहार से नाराज़ होंगे।卐

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा, 卐यदि आप शासन करना चाहते हैं तो ठीक है, पर इसके लिए आपको अपने काम से जनता का दिल जीतना चाहिए, न कि ऐसी चालें चलनी चाहिए। देश में शिक्षा, सड़कें, बिजली, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में सुधार करने के बजाय भाजपा नफरत और विभाजन के अपने एजेंडे को बढ़ावा दे रही है। यह लोकतांत्रिक ढांचे के जरिए चुने गए तानाशाह अपने राजनीतिक विरोधियों में असहमति और लालच के माध्यम से चुनाव चिह्नों को फीज़ करते हैं और फिर चुनाव में हेराफेरी करते हैं।

उन्होंने कहा, 卐हर देशभक्त चाहता है कि उसका देश मजबूत बने और मोदी–शाह की जोड़ी की हेराफेरी का गवाह न बने। केंद्र द्वारा देश को चलाने के तरीकों पर हर ईमानदार देशवासी आपत्ति करता है। उन्हें अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए देश को सांप्रदायिक रेखाओं पर बाँटना बंद करना चाहिए, क्योंकि यह देश के हित में नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, 卐एक गुलदस्ता कई तरह के फूलों से बना होता है, जो लोगों को आकर्षित करते हैं। फूलों की विविधता लोगों की आंखों को आनंद देती है। पर अगर सिर्फ एक तरह का फूल हो तो एकरसता पैदा होती है। इसी तरह, देश की प्रगति के लिए समाज में हर धर्म की सद्भावपूर्ण और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व बेहद महत्वपूर्ण है। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, 卐अरविंद केजरीवाल ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से दिल्ली की तस्वीर बदल दी। जब आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में सत्ता संभाली, तो सालाना बजट 30,000 करोड़ रुपए था, जबकि आज आखिरी बजट 66,000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। जनता को मुफ्त बिजली, विश्वस्तरीय स्कूल, मोहल्ला क्लिनिक और अन्य सुविधाएं पूरी समझदारी से दी गईं। उन्होंने आगे कहा, 卐अरविंद केजरीवाल देश के लिए रोए, क्योंकि देश की हालत हर गुजरते दिन के साथ खराब होती जा रही थी। एक ईमानदार व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं है। आज भारत को प्रचलित मुश्किलों से बाहर निकालने के लिए केवल देशभक्ति की शक्ति की आवश्यकता है। सत्ता में बैठे लोग देश में डबल या ट्रिपल इंजन सरकारों को बढ़ावा दे रहे हैं, जिनकी बिलकुल भी जरूरत नहीं है।

सत्य ने संकीर्ण राजनीति को किया परास्त-हरजोत बैंस ने अरविंद केजरीवाल को मामले में बरी किए जाने के फैसले को लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया

अब अपने राज्य, अपने क्षेत्र और अपने देश के विकास के लिए और अधिक मेहनत करेंगे–बैंस

पंकज

चंडीगढ़, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया तथा 21 अन्य को बरी किए जाने संबंधी दिल्ली की विशेष सीबीआई अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने इस निर्णय को सत्य की बड़ी जीत तथा भारतीय संविधान और स्वतंत्र न्यायपालिका की मजबूती का प्रत्यक्ष प्रमाण बताया। एक वीडियो संदेश में स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 卐कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, अंततः जीत हमेशा सत्य की ही होती है। सभी धार्मिक ग्रंथ हमें यही शिक्षा देते हैं और आज इसका प्रमाण तब मिला जब दिल्ली की विशेष सीबीआई अदालत ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया।卐 उन्होंने अदालत के फैसले के महत्व पर जोर देते हुए

कहा कि न्यायपालिका ने लगाए गए आरोपों को जांच के दौरान पूरी तरह निराधार पाया। उन्होंने कहा कि अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं, जिसका अर्थ है कि मामला बेबुनियाद था। स. बैंस ने अदालत की इस टिप्पणी की ओर भी ध्यान दिलाया कि जांच अधिकारियों ने मामले को गढ़ने के लिए गलत तरीके अपनाने की कोशिश की थी और अदालत ने ऐसे कृत्यों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश भी की है। उन्होंने इस फैसले को न केवल बरी किए गए नेताओं के लिए, बल्कि सत्य और लोकतंत्र के लिए भी बड़ी जीत बताया। उन्होंने ईश्वर का धन्यवाद किया तथा डॉ. बी.आर. आंबेडकर को नमन करते हुए भारतीय संविधान को न्यायपालिका को न्याय प्रदान करने की शक्ति देने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 卐संविधान की ताकत ने सत्य को दबाने के प्रयासों को विफल कर दिया है। यही हमारे संविधान की शक्ति है, जो न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय देने का अधिकार प्रदान करती है। स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि यह निर्णय आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह ऊर्जा आम लोगों की सेवा के प्रति और अधिक प्रतिबद्धता लाएगी, चाहे वह सरकारी स्कूलों में सुधार हो, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो या पंजाब में चल रहे विकास कार्यों को और आगे बढ़ाना हो। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए शिक्षा मंत्री ने सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। इनमें घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त और 24 घंटे बिजली, कृषि क्षेत्र के लिए दिन के समय बिजली आपूर्ति, हर खेत तक नहर का पानी पहुंचाना तथा प्रत्येक पंजाबी को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने कहा, 卐ये वे कार्य हैं जो आज आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री मान को पूरे राज्य से जो प्रेम और समर्थन मिल रहा है, उससे मुझे विश्वास है कि वर्ष 2022 में जनता द्वारा दिया गया जनादेश वर्ष 2027 में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। अब हम अपने राज्य, अपने क्षेत्र और अपने देश के विकास के लिए और अधिक मेहनत करेंगे।

पी.एस.आई.ई.सी. औद्योगिक प्लॉटों की मांग लगातार बढ़ रही; ई-नीलामी में 72.50 करोड़ की मूल कीमत के मुकाबले 163.50 करोड़ की बोलियां प्राप्त, पंजाब भर में 77 प्लॉट आवंटित-संजीव अरोड़ा

मनदीप कौर

चंडीगढ़, पंजाब के उद्योग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम द्वारा राज्य भर के विभिन्न औद्योगिक फोकल प्वाइंटों में औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन हेतु आयोजित ई–नीलामी को उद्यमियों और निवेशकों से भारी समर्थन मिला है। उन्होंने इसे भगवंत मान सरकार की उद्योग–पक्षीय नीतियों का स्पष्ट प्रमाण बताया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस प्रक्रिया के दौरान 77 प्लॉट सफलतापूर्वक आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्लॉटों की लगभग 72.50 करोड़ रुपये की मूल कीमत के मुकाबले 163.50 करोड़ रुपये की अंतिम बोलियां प्राप्त हुईं, जो आरक्षित मूल्य से दोगुने से भी अधिक वृद्धि को दर्शाती हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह जबरदस्त समर्थन औद्योगिक संपत्तियों की बढ़ती मांग, निवेशकों के पुनर्स्थापित विश्वास और एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में पंजाब की स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। प्लॉटों की कीमत में यह उल्लेखनीय वृद्धि औद्योगिक फोकल प्वाइंटों की रणनीतिक स्थिति, विकसित बुनियादी ढांचे और उनकी व्यापक विकास संभावनाओं को उजागर करती है। श्री संजीव अरोड़ा ने आगे कहा कि इस प्रकार के उत्कृष्ट परिणामों के साथ ई–नीलामी का सफल समापन राज्य की उद्योग–समर्थक नीतियों और पारदर्शी शासन प्रणाली में निवेशकों के मजबूत विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि इस ई–नीलामी से अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ है, जो बुनियादी ढांचे

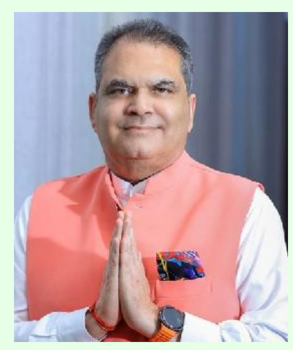

निवेशकों का मजबूत समर्थन पंजाब की औद्योगिक नीतियों और शासन ढांचे में उनके ठोस विश्वास को दर्शाता है–संजीव अरोड़ा

और औद्योगिक विकास को और सुदृढ़ करेगा। यह राज्य में तेजी से हो रहे औद्योगिक और आर्थिक विकास की सकारात्मक बाजार भावना का भी संकेत है। पंजाब के औद्योगिक विकास के व्यापक दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में निवेशकों ने राज्य की प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों में मजबूत विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम आवंटन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, कारोबार करने में सुगमता प्रदान करने, नए निवेश आकर्षित करने तथा पूरे राज्य में सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आवंटन और विकास पहलों के अगले चरण भी निरंतर जारी रहेंगे।

समानननीय अदालत द्वारा अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में बरी किया जाना सच्चाई और लोकतंत्र की जीत-मोहिंदर भगत

राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद केजरीवाल पारदर्शी शासन और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं

रमन कुमार

चंडीगढ़, पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने आबकारी नीति मामले में माननीय अदालत के हालिया फैसले को सच्चाई और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल, जो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं, तथा दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को बरी किए जाने से उन पर लगाए गए आरोप निराधार और बेबुनियाद साबित हुए हैं। श्री भगत ने कहा कि अदालत के इस फैसले ने न्यायपालिका के प्रति आम जनता का विश्वास और मजबूत किया है तथा यह सिद्ध किया है कि अंततः सत्य और न्याय की ही विजय होती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई नेतृत्व की छवि को धूमिल करने के लिए कई

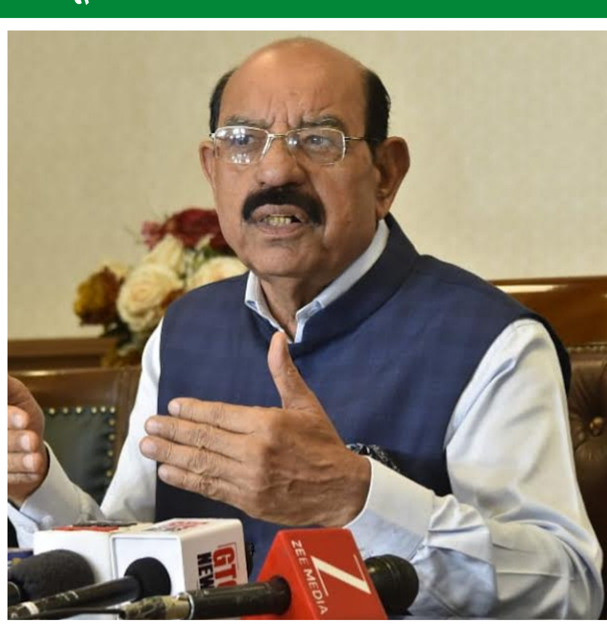

प्रयास किए गए, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से सच्चाई सामने आ गई। श्री अरविंद केजरीवाल को एक प्रतिबद्ध और दूरदर्शी नेता बताते हुए श्री भगत ने कहा कि राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद वे पारदर्शी शासन और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय का यह निर्णय देश में लोकतांत्रिक परंपराओं को और सुदृढ़ करेगा तथा सत्य और न्याय के महत्व को उजागर करेगा।

गैंगस्टरों पर वार का 38वां दिन-पंजाब पुलिस द्वारा 515 स्थानों पर छापेमारी; 184 गिरफ्तार

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

चंडीगढ़, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चल रही निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों पर वार' के 38वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मानचित्रित 515 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों पर वार' पंजाब को गैंगस्टर–मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। इस मुहिम के तहत एंटी–गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। अभियान के 38वें दिन पुलिस टीमों ने 184 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा आरोपियों के कब्जे से चार हथियार बरामद किए। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 11,800 हो गई है।

मनदीप कौर, डायरेक्टर

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

आज तक आमने-सामने

हरियाणा समाचार

Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com

16-28 February 2026

एस. के. सक्सैना, मुख्य संपादक

साल 2026 /संपादक एसके सक्सैना / www aajtakaamnesaamne.com /Help Line 9878552070

11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम के दिए 15 हजार 448 करोड़-मुख्यमंत्री

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रदेश में फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम के रूप में अब तक 15 हजार 448 करोड़ रुपये की राशि दी है।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का ज़वाब दे रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत वर्ष अगस्त–सितंबर,2025 में हरियाणा में भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी जिसका उन्होंने दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। उन्होने बताया कि फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए 15 सितम्बर तक ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया था। इस नुकसान की भरपाई के लिए 53 हजार 821 किसानों को 116 करोड़ 15 लाख 57 हजार रुपये की मुआवजा राशि जारी कर दी है। इसमें बाजरे की फसल के लिए 35 करोड़ 29 लाख रुपये, कपास के लिए 27 करोड़ 43 लाख रुपये, धान के लिए 22 करोड़ 91 लाख रुपये और गवार के लिए 14 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि शामिल है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी सरकार ने बाढ़ के चलते पशु धन की हानि, मकान क्षति तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं के नुकसान की भरपाई के लिए 4 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि जारी की है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों द्वारा बड़ी संख्या में किसानों को मुआवजा नहीं मिलने की बात पर कहा कि इस बारे में हमने जांच करवाई थी। जांच के दौरान यह पाया गया कि पोर्टल पर पटवारियों द्वारा कुछ रकबे की डुप्लीकेट फोटो अपलोड की गई थी। इस तकनीकी विसंगति के कारण पटवारियों द्वारा डुप्लीकेट फोटो अपलोड करने का यह गंभीर मामला अभी सरकार के विचाराधीन है। इस पर अंतिम निर्णय होते ही शेष पात्र किसानों के संबंध में उचित कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम के रूप में अब तक 15 हजार 448 करोड़ रुपये की राशि दी जबकि पहले कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी। कांग्रेस सरकार तो किसानों की 269 करोड़

रुपये की मुआवजा राशि बकाया छोड़कर चली गई थी। इसे हमने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद वर्ष 2015 में जारी किया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा फसलों के लिए एम.एस.पी से संबंधित उठाये गए मुद्दे पर कहा कि किसान हित हमारी नीतियों के केन्द्र में है। हमने अपने संकल्प पत्र 2024 में सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने का संकल्प लिया था। जब 17 अक्तूबर, 2024 को विधिवत रूप से हमारी सरकार बनी तो हमने 19 दिसम्बर को ही किसानों की 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने की अधिसूचना जारी कर दी थी। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां किसानों की 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। इन्होने बताया कि पिछले 12 सीजन में अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 64 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। इतना ही नहीं, हमने पिछले 11 सालों में किसानों को फसल खराबे के मुआवजे के रूप में 15 हजार 457 करोड़ रुपये दिये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 7 हजार 233 करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाले गए हैं। श्री सैनी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है। हमने किसानों को नकली खाद, बीज और कीटनाशक बेचने व बनाने वालों से बचाने के लिए नया कानून बनाया है। इसके तहत ऐसे लोगों को 5 साल की सजा देने का प्रावधान किया है। खरीफ सीजन–2024 से किसानों की फसल खरीद का पैसा फसल का श्व×द्वह्ल लड्डह्लद्ग क्खड्डह्यह्य कटने के 48 घंटे के अन्दर डी.बी.टी. के माध्यम से दे दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि यूरिया के बैग का वजन घटाकर किसानों को ठगा जा रहा है। यह बिल्कुल निराधार और तथ्यों से परे है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक नीम–कोटेड यूरिया, जिसमें 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, उसके 45 किलोग्राम के बैग का मूल्य 266.50 रुपये (जीएसटी सहित) पहले की तरह है। इसके वजन या मूल्य में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है। किसान आज भी उसी मात्रा और उसी निर्धारित दर पर नीम–कोटेड यूरिया प्राप्त कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि गत 28 जून, 2023 को केंद्र सरकार ने सल्फर–कोटेड यूरिया, जिसे 'यूरिया गोल्ड' कहा जाता है, अधिसूचित किया। यह एक पृथक एवं उन्नत उर्वरक उत्पाद है, जिसमें 37 प्रतिशत नाइट्रोजन के साथ 17 प्रतिशत सल्फर शामिल है। उन्होंने कहा कि देश की अधिकांश कृषि भूमि में सल्फर की कमी पाई जाती है, जिससे विशेष रूप से तिलहन और दलहनी फसलों की उत्पादकता प्रभावित होती है। यूरिया गोल्ड न केवल नाइट्रोजन उपयोग दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता सुधारने में भी सहायक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने 5 जनवरी, 2024 को 40 किलोग्राम के यूरिया गोल्ड बैग का अधिकतम मूल्य 266.50 रुपये निर्धारित किया था, जिसे 23 जनवरी, 2026 से घटाकर 254 कर दिया गया है। अर्थात सरकार ने किसानों को राहत दी है, न कि कोई अतिरिक्त बोझ डाला है। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए दोनों विकल्प, 'नीम कोटेड यूरिया' और 'यूरिया गोल्ड' उपलब्ध हैं, ताकि वे अपनी फसल और मिट्टी की आवश्यकता के अनुसार किसी का चयन कर सकें। रबी सीजन 2025–26 में दिनांक 12 फरवरी, 2026 तक राज्य में 10 लाख 32 हजार 116 मीट्रिक टन नीम कोटेड यूरिया उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को यूरिया के नाम पर ठगने की विपक्षी सदस्यों द्वारा लगाए गए आरोपों में कोई दम नहीं है। ऐसे मुद्दे उठाकर ये बता रहे हैं कि किसानों के हितों को लेकर वे कितने गंभीर हैं।

फर्जी एजेंटों पर वार, डंकी रूट पर प्रहार, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी सरकार - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मनदीप कौर

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में ही युवाओं के कौशल और रोजगार के लिए अनेक कारगर कदम उठाए हैं। फिर भी कोई युवा विदेश जाना चाहता है तो उसकी मदद के लिए 'विदेश सहयोग विभाग' बनाया गया है। यह विभाग युवाओं को विदेश में रोजगार व शिक्षा प्राप्त करने में मदद करता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षियों द्वारा रखी गई बातों पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 'विदेश सहयोग विभाग' की वेबसाइट पर विदेश में रोजगार, शिक्षा, व्यापार और निवेश से संबंधित जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा, विदेश भेजने वाले अधिकृत एजेंटों की सूची भी उपलब्ध है। इस वेबसाइट के माध्यम से युवा विदेश जाने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और सरकारी सहायता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सदन में प्रदेश के युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि वे गलत तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों के झांसे में न आएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डंकी रूट से युवाओं को विदेश में भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए और ट्रैवल एजेंट्स को रेगुलेट करने के लिए कानून भी बनाया जा चुका है।

सरकार एचकेआरएनएस के माध्यम से लीगल रूट से विदेशों में युवाओं को भेज रही है। उन्होंने कहा कि एचकेआरएनएल को मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स द्वारा रिक्रूटिंग एजेंट के लाइसेंस की सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है। इस विषय में समय–समय पर एचकेआरएनएल द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग और हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड ने गत 3 जनवरी को पंचजन्य–2026 कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके तहत प्रदेश के 210 युवाओं को दुबई जाने के लिए ऑफर लेटर दिए गए हैं। अब तक 2 चरणों में 390 युवाओं को इजराइल भेजा जा चुका है और उन्हें 3 लाख 38 हजार से अधिक मासिक वेतन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में, विदेश से 10 हजार लोगों की मांग आई है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से 7 हजार 600 पात्र लाभार्थियों को इजराइल तथा 100 लाभार्थियों को ओमान भेजने के लिए विज्ञापन जारी किए हुए हैं। इसकी चयन प्रक्रिया जारी है।

रिसर्च और एआई पर बड़ा दांव-हरियाणा में स्टेट रिसर्च फंड और 'हरियाणा ए.आई. मिशन' की तैयारी

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

चंडीगढ़, – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कई बेहतरीन आइडिया संसाधनों की कमी से पूरे नहीं हो पाते। ऐसे में इन आइडियाज को हकीकत में बदलने के लिए सरकार ने 'हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड' स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के लिए 20 करोड़ रुपये के शुरुआती कोष से स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षियों द्वारा रखी गई बातों पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में एआई अनुसंधान और विकास को अपना रहा है। यह तकनीक अब सिर्फ भविष्य की कल्पना नहीं रही, बल्कि आज यह हमारे घरों, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और प्रशासनिक प्रणालियों में गहरी पैठ बना चुकी है।

उन्होंने कहा कि सरकार हरियाणा में ए.आई. के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। इसमें सरकार नीतियों को तकनीकी नवाचार के साथ मानव–केंद्रित

संसाधनों की कमी से अटके आइडियाज को मिलेगा सहारा, कॉलेजों–विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा

दृष्टिकोण पर आधारित कर रही है, ताकि ए.आई. का लाभ अत्यंत सुरक्षित, समावेशी तथा न्यायसंगत रूप से सभी तक पहुंचे। इसलिए 'हरियाणा ए.आई. मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव है। इसके लिए विश्व बैंक ने प्रदेश सरकार को 474 करोड़ रुपये की सहायता देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मिशन के तहत गुरुग्राम और पंचकूला में एक–एक 'हब' स्थापित किया जाएगा, जहां 50 हजार युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका सीधा लाभ स्टार्टअप्स को कुशल कार्यबल के रूप में मिलेगा।

खिलाड़ियों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है सरकार

रमन कुमार

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्त्तमान सरकार खिलाड़ियों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षी सदस्यों द्वारा खेल एवं खिलाडियों से संबंधित उठाए गए मुद्दों का ज़वाब दे रहे थे।

उन्होंने विपक्ष के सदस्यों द्वारा खिलाड़ियों का सम्मान नहीं, खेल सुविधाएं नदारद होने के सवाल पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में खेलों के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। ओलंपिक हो या पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स हों या एशियन गेम्स, हर जगह हमारे खिलाड़ियों ने भारत का परचम लहराया है। 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' जैसे अभियानों ने खेलों को जन–आंदोलन बनाया है और युवाओं को नई दिशा दी है।

हमने पूरे राज्य में खेल सुविधाओं के व्यापक विकास का बीड़ा उठाया है। पिछले 11 वर्षों में खेल अवसंरचना पर 989 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। खेल विभाग के बजट को हमने दोगुणे से भी अधिक बढ़ाया है। जहां वर्ष 2014–15 में यह 275 करोड़ रुपये था, वहीं इस वित्त वर्ष में 590 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। आज हरियाणा में 3 राज्य स्तरीय खेल परिसर, 21 जिला स्तरीय खेल स्टेडियम, 25 उपमंडल स्टेडियम, 163 राजीव गांधी ग्रामीण खेल परिसर, 245 ग्रामीण स्टेडियम और 382 इनडोर जिम गांव–गांव तक उपलब्ध हैं। इनके अतिरिक्त 10 स्विमिंग पूल, 11 सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, 14 हॉकी एस्ट्रोटर्फ, 2 फुटबॉल सिंथेटिक सतह और 9 बहुउद्देशीय हॉल भी विकसित किए गए हैं। वर्ष 2022 में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना भी हमारी सरकार की दूरदृष्टि का ही प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने केवल खेल

सुविधाएं ही नहीं दीं, बल्कि खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का भी ठोस प्रबंध किया है। क्लास–वन से क्लास–फोर तक की सीधी भर्ती में खिलाड़ियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अब तक 231 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। पदक विजेता खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपये तक का नकद पुरस्कार दिया जाता है। अब तक 641 करोड़ रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि खिलाड़ियों को प्रदान की जा चुकी है। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के प्रति हमारी सरकार की संवेदनशीलता, सम्मान और संकल्प का जीवंत प्रमाण हैं।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष के सदस्यों द्वारा लगाए गए प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ने के आरोप पर जवाब दिया कि हर बार की तरह इस बार तो सी.एम.आई.ई. नामक संस्था की किसी रिपोर्ट का भी जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की Hand Book of Statistics on Indian Stat स्पष्ट बताती है कि हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र की बेरोजगारी दर अब केवल 3.1 प्रतिशत है। यह उत्तरी भारत के सभी राज्यों में सबसे कम है। हमारे पड़ोसी राज्यों जम्मू कश्मीर व हिमाचल में बेरोजगारी की दर 5 प्रतिशत, दिल्ली में 6 प्रतिशत, पंजाब में 5.4 प्रतिशत और राजस्थान में 3.2 प्रतिशत है। साल 2022–23 की तुलना में 2023–24 में स्पष्ट कहा गया है कि हरियाणा ने ग्रामीण बेरोजगारी कम करने में बहुत अच्छा काम किया है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान हिमाचल में बेरोजगारी दर 1.5 प्रतिशत बढ़ी और जम्मू कश्मीर में भी 1.6 प्रतिशत बढी। वहीं राजस्थान में 0.2 प्रतिशत और पंजाब में सिर्फ 0.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।जबकि हरियाणा में यह गिरावट 2.7 प्रतिशत दर्ज की गई। इसी तरह, हरियाणा में शहरी बेरोजगारी दर केवल 4 प्रतिशत है। यह भी उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में बहुत कम है। हिमाचल में शहरी बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 11.4 प्रतिशत, पंजाब में 5.6 प्रतिशत, राजस्थान 7.7 प्रतिशत और चण्डीगढ़ में 7.1 प्रतिशत दर्ज की गई है।

फर्जी एजेंटों पर वार, डंकी रूट पर प्रहार, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी सरकार

पंकज

चंडीगढ़, – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में ही युवाओं के कौशल और रोजगार के लिए अनेक कारगर कदम उठाए हैं। फिर भी कोई युवा विदेश जाना चाहता है तो उसकी मदद के लिए 'विदेश सहयोग विभाग' बनाया गया है। यह विभाग युवाओं को विदेश में रोजगार व शिक्षा प्राप्त करने में मदद करता है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्षियों द्वारा रखी गई बातों पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 'विदेश सहयोग विभाग' की वेबसाइट पर विदेश में रोजगार, शिक्षा, व्यापार और निवेश से संबंधित जानकारी उपलब्ध है।

विदेश जाने के इच्छुक युवाओं के सहयोग के लिए सरकार का 'विदेश सहयोग विभाग' सक्रिय

इसके अलावा, विदेश भेजने वाले अधिकृत एजेंटों की सूची भी उपलब्ध है। इस वेबसाइट के माध्यम से युवा विदेश जाने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और सरकारी सहायता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सदन में प्रदेश के युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि वे गलत तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों के झांसे में न आएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डंकी रूट से युवाओं को विदेश में भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए और ट्रैवल एजेंट्स को रेगुलेट करने के लिए कानून भी बनाया जा चुका है। सरकार एचकेआरएनएस के माध्यम से लीगल रूट से विदेशों में युवाओं को भेज रही है। उन्होंने कहा कि एचकेआरएनएल को मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स द्वारा रिक्रूटिंग एजेंट के लाइसेंस की सैद्धांतिक मंजूरी दी जा चुकी है। इस विषय में समय–समय पर एचकेआरएनएल द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के विदेश सहयोग विभाग और हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड ने गत 3 जनवरी को पंचजन्य–2026 कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके तहत प्रदेश के 210 युवाओं को दुबई जाने के लिए ऑफर लेटर दिए गए हैं। अब तक 2 चरणों में 390 युवाओं को इजराइल भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि हाल ही में, विदेश से 10 हजार लोगों की मांग आई है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से 7 हजार 600 पात्र लाभार्थियों को इजराइल तथा 100 लाभार्थियों को ओमान भेजने के लिए विज्ञापन जारी किए हुए हैं। इसकी चयन प्रक्रिया जारी है।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन और स्टैंडर्डाइज्ड टेस्ट ऑफ इंग्लिश के सहयोग से यूआईईटी छात्रों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

एस. के. सक्सैना

कुरुक्षेत्र,–नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने स्टैंडर्डाइज्ड टेस्ट ऑफ इंग्लिश प्रोफिशिएंसी (स्ञ्श्वक्क) के साथ साझेदारी कर कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) के विद्यार्थियों के लिए संरचित अंग्रेजी एवं रोजगार कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने की पहल की है। इस संबंध में नवीन जिन्दल फाउंडेशन और स्टैंडर्डाइज्ड टेस्ट ऑफ इंग्लिश प्रोफिशिएंसी (स्ञ्श्वक्क) के बीच नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। फाउंडेशन की ओर से उपाध्यक्ष एवं कौशल विभाग प्रमुख डॉ. मनीष मिश्रा तथा स्टैंडर्डाइज्ड टेस्ट ऑफ इंग्लिश प्रोफिशिएंसी के बिजनेस हेड पुंडी श्रीराम ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत यूआईईटी के विद्यार्थियों का प्रारंभिक कंप्यूटर आधारित आधारभूत मूल्यांकन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब दिया

मनदीप कौर

चण्डीगढ, 27 फरवरी – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बजट सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक श्रीमती पूजा मुलाना द्वारा राज्यपाल के अभिभाषण में हरियाणा के नागरिक शब्द पर आपत्ति जताकर हरियाणा के निवासी शब्द प्रयोग करने का लिखित सुझाव देना केवल शब्दों का प्रश्न नहीं है, बल्कि इनकी सोच का अंतर दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विषय पर उनका स्पष्ट और तर्कसंगत मत है कि नागरिक शब्द हमारे संविधान, लोकतांत्रिक अधिकारों और कर्तव्यों की भावना से जुड़ा है, जबकि, 卐निवासी शब्द मात्र भौगोलिक उपस्थिति का संकेत देता है। निवासी वह हो सकता है, जो किसी स्थान पर रहता हो, परंतु नागरिक वह है, जो उस प्रदेश की प्रगति, नीति–निर्माण, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सामाजिक उत्तरदायित्व में भागीदार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की जनता केवल यहां रहने वाली आबादी नहीं, बल्कि इस राज्य की ताकत एवं पहचान है और भविष्य की निर्माता है।卐नागरिक卐 शब्द प्रदेशवासियों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है जैसे मतदान का अधिकार, कानून के प्रति सम्मान, कर दायित्व और समाज के प्रति जिम्मेदारी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की धरती ने देश को वीर सैनिक, परिश्रमी किसान, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और उद्यमी दिए हैं स ऐसे गौरवशाली लोगों को 卐निवासी卐 कहकर सीमित करना, उनके योगदान का संकुचन होगा। उन्होंन कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार प्रत्येक नागरिक को सशक्त, सुरक्षित और सम्मानित बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है।卐हरियाणा के नागरिक卐 शब्द केवल संबोधन नहीं, बल्कि समान अधिकार, समान अवसर और साझा जिम्मेदारी का उद्घोष है और यही लोकतंत्र की वास्तविक आत्मा है। उन्होंने कहा कि अत: राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में संशोधन की आवश्यकता नहीं है। 卐नागरिक卐 शब्द का अर्थ और इसकी भावना स्वत: ही स्पष्ट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण की चर्चा में सभी सदस्यों ने अपने–अपने क्षेत्र के विकास की जरूरतों को भी उठाया है। सभी सदस्यों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि उनकी मांगों को पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

पढ़ें भारत हर ख़बर सच के साथ
आज तक आमने-सामने
पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली एवं हरियाणा
Email : aajtakaamnesaamne.in@gmail.com
RNI No-Punhin2013/54688

अमृतसर में तीन दिवसीय रंगला पंजाब उत्सव का भव्य शुभारंभ

कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने किया रंगला पंजाब उत्सव का उद्घाटन

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

चंडीगढ़/अमृतसर, 27 फरवरी – पंजाब सरकार के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा अमृतसर के रणजीत एवेन्यू मैदान में आयोजित तीन दिवसीय रंगला पंजाब उत्सव का आज पूर्ण शानो–शौकत के साथ शुभारंभ हो गया। इस उत्सव का उद्घाटन राज्य के लोक निर्माण मंत्री स हरभजन सिंह ईटीओ द्वारा किया गया। इस अवसर पर अमृतसर पूर्व की विधायक जीवनजोत कौर, अमृतसर पश्चिम के विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू, पनसप के चेयरमैन प्रभबीर सिंह बराड़, जिला योजना कमेटी के चेयरमैन गुर प्रताप सिंह संधू, पंजाब लघु उद्योग एवं निर्यात निगम के वाइस चेयरमैन जसकरण सिंह बंदेसा, पर्यटन विभाग के निदेशक संजीव कुमार तिवाड़ी, अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) रोहित गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त (शहरी विकास) रुपिंदर पाल सिंह, एस.डी.एम. अलका कालिया, गुरमंदर सिंह के अतिरिक्त कैबिनेट मंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती सुरिंदर कौर, श्रीमती बलविंदर कौर, जिला टूरिज्म अफसर सुखमन सिंह, जी एन डी यू के लोक संपर्क निदेशक परवीन पुरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। रंगला पंजाब उत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री स हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि इस तीन दिवसीय उत्सव का मुख्य उद्देश्य पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, रहन–सहन और पारंपरिक खान–पान को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि रंगला पंजाब उत्सव में पंजाब की विविध सांस्कृतिक झलकियां एक ही मंच पर देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी संस्कृति विश्व की सबसे समृद्ध और जीवंत संस्कृतियों में से एक है, जो अपने विशिष्ट रहन–सहन, स्वादिष्ट खान–पान, लोक नृत्यों जैसे भांगड़ा और गिद्धा तथा भाईचारे की भावना के लिए जानी जाती है। इसकी पारंपरिक कलाएं, बोलियां और अतिथि सत्कार देश–विदेश में प्रसिद्ध हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार पंजाब की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों का विभाग प्रदेश

के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है ताकि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ा जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने परिवार सहित इस उत्सव में पहुंचकर रंगले पंजाब की सुंदरता का आनंद लें। पर्यटन विभाग के निदेशक संजीव तिवाड़ी ने बताया कि यह उत्सव 1 मार्च 2026 की देर शाम तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह उत्सव पंजाब, पंजाबी और पंजाबी संस्कृति को समर्पित है, जिसमें राज्य की सांस्कृतिक विरासत, रहन–सहन और पारंपरिक व्यंजनों की सुंदर झलक देखने को मिलती है। उत्सव के दौरान आकर्षक क्राफ्ट बाजार लगाया गया है, जहां दुकानदार पारंपरिक पंजाबी हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं की बिक्री कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त फूड कोर्ट में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के लगभग 30 स्टॉल लगाए गए हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष झूलों की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा भी अपने स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। तीनों शामों में पंजाब के प्रसिद्ध गायक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। लोक नृत्य गिद्धा और भांगड़ा की रंगारंग प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। 27 फरवरी की शाम को पहले दिन प्रसिद्ध लोक गायक विरासत संधू, जसपिंदर नरूला और जैजी बी द्वारा प्रस्तुति दी जा रही है। दूसरे दिन मीट कौर, कौर बी और कुलविंदर बिल्ला अपनी गायकी प्रस्तुत करेंगे। अंतिम दिन हरजीत हरमन, बाणी संधू और मनमोहन वारिस अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। दर्शकों के बैठने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। 28 फरवरी और 1 मार्च की शाम को आकर्षक ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा। निदेशक पर्यटन ने बताया कि इस उत्सव में आम जनता का प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। उन्होंने जिला वासियों सहित समस्त पंजाबवासियों से अपील की कि वे अमृतसर के रणजीत एवेन्यू मैदान में आयोजित इस रंगला पंजाब उत्सव में पहुंचकर पंजाब, पंजाबी और पंजाबी संस्कृति की अद्भुत झलक का आनंद अवश्य लें।

आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध मामलों को निरस्त करने संबंधी न्यायालय का निर्णय संवैधानिक नैतिकता और कानून के शासन की पुन: पुष्टि करता है-कुलतार सिंह संधवां

पंकज

चंडीगढ़, पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि आबकारी नीति मामले में माननीय न्यायालय का हालिया निर्णय संवैधानिक नैतिकता और कानून के शासन की सशक्त पुनर्पुष्टि है। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों के विरुद्ध मामलों को निरस्त किया जाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राजनीतिक क्षेत्र में प्रचारित आरोप न्यायिक जांच में टिक नहीं सके। स्पीकर संधवां ने कहा, जब लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री का नाम बिना ठोस साक्ष्य के लिया जाता है और जांच एजेंसियां प्रथम दृष्ट्या भी कोई मामला स्थापित करने में असमर्थ रहती हैं, तो यह संस्थागत शुचिता और विधिसम्मत प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के संबंध में न्यायालय का निर्देश हमारे संवैधानिक ढांचे में जवाबदेही की सर्वोच्चता को रेखांकित करता है। निर्णय के व्यापक राजनीतिक और नैतिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए स्पीकर संधवां ने कहा, अरविंद केजरीवाल केवल बरी ही नहीं हुए, बल्कि सत्य सिद्ध होकर उभरे हैं। जमीनी संघर्षों से तपे हुए नेता के रूप में उन्होंने सदैव आम नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व किया है। वे आधुनिक दृष्टि के दूरदर्शी नेता हैं, जो पारदर्शिता, जनसेवा और सहभागी लोकतंत्र पर आधारित 'जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए' शासन की अवधारणा को साकार करते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह फैसला इस धारणा को मजबूत करता है कि उन्हें बदले की राजनीति का शिकार बनाया गया, किंतु साथ ही यह एक बड़े सत्य की पुष्टि भी करता है–संवैधानिक लोकतंत्र में सत्य की विजय होती है और ईमानदारी भय और दबाव के बावजूद अडिग रहती है। अरविंद केजरीवाल का संघर्षपूर्ण सफर उनकी दृढ़ता, नैतिक साहस और जनता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अंततः जब न्याय की विजय होती है, तभी लोकतंत्र सशक्त होता है, और यह निर्णय उसी शाश्वत सिद्धांत का प्रमाण है।

मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों के विरुद्ध मामला समाप्त होना दर्शाता है कि आरोप न्यायिक जांच में टिक नहीं सके–कुलतार सिंह संधवां

पंजाब में इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट पर पांच दिन के ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन

एस. के. सक्सैना

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, जालंधर ने कृषि विज्ञान केंद्र, फाजिल्का – सीफेट, अबोहर के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र अधिकारियों, कीटनाशक डीलरों और प्रगतिशील किसानों के लिए 23–02–2024 से 27–02–2024 तक 5 दिवसीय मानव संसाधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में फाजिल्का जिले के 40 प्रतिभागी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. अरविंद कुमार अहलावत, प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र फाजिल्का, अबोहर मुख्य अतिथि थे और डॉ. अनिल कुमार सांगवान, निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र – पंजाब कृषि विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि थे। केंद्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र, जालंधर के प्रभारी अधिकारी डॉ. पी.सी. भारद्वाज ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की और प्रशिक्षुओं को एकीकृत कीट प्रबंधन के महत्व और आवश्यकता के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कीटनाशकों का आवश्यकता आधारित विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी। डॉ. अरविंद कुमार अहलावत ने उद्घाटन भाषण दिया और प्रशिक्षु को इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के लाभों के बारे में जागरूक किया। डॉ. मनप्रीत सिंह, प्रधान कृषि विज्ञानी क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र – पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, स्वस्थ फसल उत्पादन के लिए कपास में सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं और गेहूं में खरपतवार प्रबंधन के लिए कृषि संबंधी हस्तक्षेप पर एक व्याख्यान दिया। डॉ. जगदीश अरोड़ा, डीईएस, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र – पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने फलों की फसलों के कीटों और रोगों और उनके प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु अहम बैठक–डॉ. बलजीत कौर

योग्य संस्थाओं को अनाज तथा बुजुर्गों को पेंशन उपलब्ध कराने पर चर्चा–डॉ. बलजीत कौर

रमन कुमार

चंडीगढ़, पंजाब राज्य खाद्य आयोग की पहल पर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री, पंजाब डॉ. बलजीत कौर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण तथा सामाजिक कल्याण से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और सुदृढ़ करना था। बैठक में पंजाब राज्य खाद्य आयोग के चेयरमैन श्री बाल मुकंद शर्मा तथा सदस्य श्री विजय दत्त और श्री चेतन प्रकाश धालीवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव श्री गुरकिरत कृपाल सिंह (आईएएस) और निदेशक श्रीमती शेना अग्रवाल (आईएएस)भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान डॉ. बलजीत कौर ने खाद्य सुरक्षा और पोषण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत योग्य संस्थाओं को प्रति व्यक्ति प्रति माह 15 किलोग्राम अनाज रियायती दरों पर उपलब्ध

कराना सुनिश्चित किया जाए। यह सुविधा पिंगलवाड़ा संस्थाओं, वृद्धाश्रमों, बेसहारा गृहों सहित मान्यता प्राप्त कल्याण संस्थाओं, अनुसूचित जाति की छात्राओं के छात्रावासों तथा विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के विद्यालयों तक निरंतर बढ़ाई जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त वृद्धाश्रमों में निवास कर रहे पात्र बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन प्रदान करने तथा पिंगलवाड़ा सहित अन्य गैर–मान्यता प्राप्त संस्थाओं के निवासियों को मध्याह्न भोजन योजना का लाभ देने संबंधी विषयों पर भी डॉ. बलजीत कौर की अगुवाई में गंभीर विचार–विमर्श किया गया। चेयरमैन श्री बाल मुकंद शर्मा द्वारा सुधार योग्य स्थिति में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत और निर्माण की आवश्यकता पर बल दिए जाने पर मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि उपलब्ध निधियों का जनहित में प्रभावी और समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में पोषण वाटिका योजना के अंतर्गत रसोई बाग एवं औषधीय उद्यान विकसित करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करने तथा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए उन्हें मोबाइल फोन उपलब्ध कराने संबंधी सुझावों पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार जनकल्याणकारी नीतियों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक को सकारात्मक बताते हुए डॉ. बलजीत कौर ने आश्वासन दिया कि आयोग द्वारा दिए गए सभी सुझावों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा और जनहित में आवश्यक सभी कदम उठाए जाएंगे। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री कमल कुमार गर्ग, मध्याह्न भोजन योजना के प्रभारी, महाप्रबंधक श्री वरिंदर बराड़ तथा सामाजिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कीमती भगत ने पंजाब गौ सेवा आयोग के वाइस चेयरमैन का पद संभाला

मनदीप कौर

कीमती भगत के पदभार ग्रहण अवसर पर कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत रहे उपस्थित

साहिबजादा अजीत सिंह नगर, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा हाल ही में नियुक्त पंजाब गौ सेवा कमीशन के वाइस चेयरमैन श्री कीमती भगत ने आज कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत की उपस्थिति में अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री कीमती भगत के परिवारिक सदस्यों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में उनके समर्थक, साधु–संत तथा विभिन्न गौशालाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करते हुए श्री कीमती भगत ने कहा कि वे पंजाब राज्य में बेसहारा गौमाता की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं के कारण हो रहे जान–माल के नुकसान को रोकने के लिए वे राज्य के सभी उपायुक्तों तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रयास करेंगे, ताकि इन पशुओं को गौशालाओं में आश्रय दिया जा सके। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने नवनियुक्त वाइस चेयरमैन श्री कीमती भगत को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे राज्य में बेसहारा गौवंश की सेवा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर बलजिंदर सिंह बंटी (वन विभाग के वाइस चेयरमैन), महंत रवि कांत जी (चेयरमैन, हिंदू वेलफेयर बोर्ड), श्री सतीश कुमार (राष्ट्रीय प्रधान, गौ रक्षा दल), अमृत भगत (प्रधान, सतगुरु कबीर सेना पंजाब), रमेश भगत, आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राजेश नारंग, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. शाम सिंह तथा पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. उज्ज्वल गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भगवंत मान सरकार ने राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में नि: शुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट उपलब्ध कराए

मुख्यमंत्री सर्वण आशीर्वाद योजना 'सुनने का हक सबका' के अंतर्गत पंजाब का प्रत्येक पात्र बच्चा पूर्णत: नि:शुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट सेवा का हकदार

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

चंडीगढ़, जनस्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में एक नई पहल के तहत मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने अपने तृतीयक देखभाल नेटवर्क में आधुनिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की सुविधा शुरू कर दी है, जो पूरी तरह नि:शुल्क है। यह सेवा जो अब तक आम वर्ग की पहुंच से बाहर थी और केवल कुछ विशेष लोगों तक सीमित थी, अब पूरे राज्य के बच्चों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध है। सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में इसकी सफल शुरुआत के बाद भगवंत मान सरकार ने बच्चों की बधिरता की समस्या को योजनाबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए एक मजबूत चार–नोड सर्जिकल ढांचा स्थापित किया है। कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी अब सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, अमृतसर; सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, पटियाला; सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, फरीदकोट; तथा अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, एसएएस नगर में पूर्णत: संचालित हैं। यह राज्यव्यापी संस्थागत नेटवर्क सुनिश्चित करता है कि सुनने में असमर्थ बच्चों और वयस्कों के लिए आधुनिक उपचार सेवाओं तक पहुंच अब कठिन नहीं रही। कॉक्लियर इम्प्लांट सेवाएं आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल की सबसे महंगी चिकित्सा प्रक्रियाओं में से एक हैं। निजी क्षेत्र में इसका खर्च सामान्यत: एक कान के लिए 6,00,000 से 10,00,000 रुपये के बीच आता है। अधिकांश परिवारों के लिए यह खर्च भारी कर्ज का कारण बनता था या वे मजबूरी में उपचार से वंचित रह जाते थे। भगवंत मान सरकार ने इस वित्तीय बाधा को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इस पहल के अंतर्गत इम्प्लांट उपकरण, सर्जरी, अस्पताल में भर्ती तथा सर्जरी के बाद की देखभाल पूरी तरह नि:शुल्क प्रदान की जा रही है। अब परिवारों को अपने बच्चे की सुनने और बोलने की क्षमता सुरक्षित करने के लिए अपना भविष्य दांव पर नहीं लगाना पड़ेगा। राज्य सरकार की यह पहल पूर्ण वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है, जो प्रभावित बच्चों को सम्मान और अवसर प्रदान करते हुए परिवारों को भारी आर्थिक बोझ से बचाती है। श्रवण शक्ति का विकार भारत की सबसे कम पहचानी जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। लगभग 6.3 प्रतिशत भारतीय आबादी श्रवण विकार से प्रभावित है। भारत में प्रत्येक 1,000 नवजात शिशुओं में लगभग 5 बच्चे गंभीर श्रवण विकार के साथ जन्म लेते हैं, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, अनुमानतः 5 प्रतिशत विद्यार्थियों में श्रवण समस्या का पता नहीं चल पाता, जिन्हें अक्सर अनजाने में धीमी गति से सीखने वाला या कम प्रदर्शन करने वाला समझ लिया जाता है। ये आंकड़े केवल चिकित्सीय ही नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक संकट को भी दर्शाते हैं। जिन बच्चों का उपचार नहीं किया जाता, वे अक्सर उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करते हैं तथा उनके विकास की संभावनाएं कम हो जाती हैं। नि:शुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट सेवाओं को संस्थागत रूप देकर पंजाब ने इस अनदेखे संकट का सीधे सामना किया है। चिकित्सा विज्ञान प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व पर जोर देता है। भाषा विकास के लिए मस्तिष्क की लचीलेपन की क्षमता 0 से 3 वर्ष की आयु के बीच सर्वाधिक होती है। यही समय कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, जिसमें बच्चे सामान्य श्रवण वाले बच्चों के समान वाणी और भाषा विकसित कर सकते हैं। 3 से 5 वर्ष की आयु के बीच भी सर्जरी लाभकारी होती है, परंतु विकास में हुई देरी की पूर्ति के लिए श्रवण–वाणी चिकित्सा की आवश्यकता होती है। इसके बाद प्रभावशीलता तेजी से कम हो जाती है। समय पर हस्तक्षेप न होने के परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकते हैं–स्थायी वाणी अक्षमता, सामाजिक अलगाव, सीमित शैक्षिक अवसर और आजीवन निर्भरता। सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इस सुविधा का विस्तार कर पंजाब सरकार ने सुनिश्चित किया है कि आर्थिक तंगी या बुनियादी ढांचे की कमी के कारण कोई भी बच्चा उपचार के उचित समय से वंचित न रहे। जब भारत सरकार की कॉक्लियर इम्प्लांट योजना नवंबर 2023 में बंद कर दी गई, तब इस जीवन–परिवर्तनकारी उपचार तक अनेक बच्चों की पहुंच समाप्त हो गई। उस समय पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री सर्वण आशीर्वाद योजना 'सुनने का हक सबका' प्रारंभ कर निर्णायक कदम उठाया।

विजिलेंस ब्यूरो ने पटवारी को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, विजिलेंस ब्यूरो, पंजाब ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिला बठिंडा के कोट शमीर स्थित माल कार्यालय में तैनात पटवारी मनजोत सिंह को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव कोट शमीर, जिला बठिंडा के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता अपने रिश्तेदार की पैतृक संपत्ति के इंतकाल के लिए संबंधित पटवारी से मिला था। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी पटवारी ने उसके रिश्तेदार की संपत्ति का इंतकाल करने के बदले 10,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत की मांग से संबंधित पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजिलेंस ब्यूरो रेंज, बठिंडा से संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो ने जाल बिछाया और सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी पटवारी को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो थाना बठिंडा में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

सांग महोत्सव के समापन पर राजा उत्तानपात,धर्म की जीत,विराट पर्व और बणदेवी सांग से कलाकारों ने मोहा दर्शकों का मन

एस. के. सक्सैना

थानेसर कुरुक्षेत्र, ़ सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा कला कीर्ति भवन की भरतमुनि रंगशाला में चल रहे पांच दिवसीय सांग उत्सव के समापन पर हरियाणा के अलग–अलग हिस्सों से आए सांग कलाकारों ने बेहतरीन सांग मंचन किये। जिसमें राजेंद्र सिंह ने बणदेवी, रमेश कुमार और रामशरण शर्मा ने धर्म की जीत, पंडित लख्मीचंद के पौत्र विष्णुदत्त कौशिक ने विराट पर्व तथा बाबूलाल सांगी ने राजा उत्तानपात का मंचन किया। सांग उत्तानपात में कलाकारों ने दिखाया कि अवधपुरी में राजा उत्तानपात राज करते हैं। जिसकी सनेहगढ़ में रानी सुनीती के साथ शादी होती है। काफी दिन बीतने के बाद उनकी कोई संतान नहीं होती। एक दिन रानी उदासी में बैठी थी कि नारदजी आते हैं और पूछते हैं कि आप उदास क्यों हैं। रानी सुनीति बताती है कि रोउ सूं रंग महल में, मेरे हुई नहीं कोई संतान तो नारद ने पति का दोबारा ब्याह करवाने की बात कही। इसके बाद रानी ने अपनी छोटी बहन सुरुचि की शादी अपने पति से करवाने के लिए अपनी मां को मनाया और बहन की शादी राजा से करवाई। लेकिन बहन इस शादी से खुश नहीं थी, क्योंकि उसकी शादी बूढ़े राजा से हो रही थी। इसका बदला लेने के लिए उसकी बहन ने राजा से बीच फेरों में चार वचन भरवाए और चौथे वचन में अपनी बहन को राजपाठ से बाहर जंगल में छोडने़ की बात मनवाली। रानी सुरूचि से राजा को संतान हो इसलिए सुनीति खुशी से जंगल में चली गई। कुछ दिन बाद राजा शिकार खेलने जाता है और रास्ते में तूफान आ जाता है। राजा तूफान से बचने के लिए रानी सुनीति की कुटिया में पनाह लेता है। जहां रात्रि मिलन से रानी सुनीति को ध्रुव के रुप में बेटा प्राप्त होता है उधर छोटी रानी से बेटा उत्तम पैदा होता है। एक दिन उत्तम का जन्मदिन होता है और राज्य में ढोल की आवाज सुनकर ध्रुव भी राजमहल में जाने की इच्छा प्रकट करता है। लेकिन उसकी मां मना कर देती है। मां की बात को अनसुना करके ध्रुव चला जाता है और जाकर राजा की गोद में बैठ जाता है। राजा जब ध्रुव से उसका परिचय पूछता है तो वह बताता है कि वह उतानपात का लडक़ा है। मां का नाम सुनीती है जो महल में दूर रहती है। छोटी रानी ने यह सुनकर उसे राजा की गोद से नीचे गिरा दिया और कहा कि अगर गद्दी पर बैठना है तो मेरे गर्भ से पैदा होता। ध्रुव कहता है कि राज लेंगे तो भगवान से मांगेगे। इतना कहकर ध्रुव चला जाता है। महल से जाने के बाद ध्रुव भगवान की तपस्या में लीन हो जाता है और ईश्वर की भक्ति प्राप्त करने के बाद ध्रुव भगत के रूप में प्रसिद्ध होता है।

बचपन में विवाह के कारण धर्म को मिला जीवन और हुई धर्म की जीत–सांग धर्म की जीत में कलाकारों ने दिखाया कि काशी शहर में पंडित रामदयाल और उनकी पत्नी शांता देवी रहती है। उनके घर में जो भी संतान पैदा होती वो जन्म लेते ही मर जाती। तब एक ज्योतिषि पंडित रामदयाल को कहता है कि उनके घर एक लडक़े का जन्म होगा, अगर उस लडक़े के जन्म लेते ही उसका विवाह करवा दिया गया तो वह बच जाएगा। कुछ समय के बाद रामदयाल के घर में लडक़ा पैदा होता है जिसका नाम धर्म रख दिया जाता है। बच्चे के पैदा होते ही उसका विवाह मादोपुर के पंडित की जीत नामक बडी बेटी के साथ कर दिया जाता है। धर्म और जीत जब जवान हो जाते हैं तो हैं तो जीत की अपेक्षा मादोपुर पंडित की छोटी बेटी विजया धर्म पर आकर्षित हो जाती है। सांग में अनेक कठिनाईयों के बाद धर्म अपनी पत्नी जीत से मिलता है और विजया का घमण्ड तोड़ता है। इस तरह सांग महोत्सव में अलग–अलग किस्सों से कलाकारों ने दर्शकों का मन मोहा।

समाधान शिविर की शिकायतों को गंभीरता से ना लेने पर 3 अधिकारियों को जारी होंगे कारण बताओ नोटिस-विश्राम कुमार मीणा

समाधान शिविर में 7526 में से 5040 शिकायतों का किया समाधान

मनदीप कौर

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर की शिकायतों पर तुरंत गंभीरता के साथ अधिकारियों को कार्रवाई करनी होगी और लोगों की समस्याओं का समाधान करना होगा। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समीक्षा कर रहे है। इन तमाम पहलुओं के बावजूद कुरुक्षेत्र जिले के 3 अधिकारियों ने इन समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया। इन अधिकारियों को रिपोर्ट के आधार पर कारण बताओं नोटिस जारी किया जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर की समस्याओं की समीक्षा के उपरांत अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा–निर्देश दे रहे थे। इससे पहले चंडीगढ से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पी अवनित कुमार ने समाधान शिविर की जिला अनुसार समीक्षा की और जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि डीसी अपने अपने जिले में कम से कम एक शिकायत को लेकर फील्ड का विजिट करेंगे। इसके साथ ही बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन की शिकायतों को गंभीरता से लेकर तुरंत समाधान करना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में अब तक 7526 शिकायतें समाधान शिविर में प्राप्त हुई है। इनमें से 5040 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है और किसी ना किसी कमी के कारण 2036 शिकायतें रद्द हुई है और 169 शिकायतें लंबित है। इन लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने के आदेश दिए गए है। इस समाधान शिविर की शिकायतों को गंभीरता से ना लेने पर बीडीपीओ थानेसर, हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी, शाहबाद नगर पालिका के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। जो भी अधिकारी समस्याओं का समाधान करने में लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आज प्रत्येक क्षेत्र सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित: प्रो. वीरेन्द्र पाल

केयू सांख्यिकी विभाग की साप्ताहिक कार्यशाला का हुआ समापन

पंकज

थानेसर कुरुक्षेत्र, –कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में सांख्यिकी एवं परिचालन अनुसंधान विभाग द्वारा 卐डेटा एनालिटिक टेक्नीक्स यूजिंग एसपीएसएस एवं आर卐 विषय पर 23 से 27 फरवरी, 2026 तक आयोजित एक सप्ताह की कार्यशाला का समापन विभाग के पी. सी. महालनोबिस सभागार में वेलेडिक्ट्री समारोह के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यशाला कौशल विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि आज का युग डेटा–आधारित निर्णयों का युग है और प्रत्येक क्षेत्र चाहे वह शिक्षा हो, प्रशासन हो या उद्योग सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करती हैं, बल्कि प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, तार्किक सोच एवं समस्या– समाधान क्षमता का विकास भी करती हैं। उन्होंने विभाग की सराहना करते हुए कहा कि सांख्यिकी जैसे विषय का महत्व भविष्य में और अधिक बढ़ेगा, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग एवं बिग डेटा के क्षेत्र में। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान को अपने शोध एवं व्यावसायिक जीवन में प्रभावी रूप से लागू करें। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. संगीता अरोड़ा विभाग सांख्यिकी, पंजाब यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर में दक्षता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को निरंतर अभ्यास, शोध की नैतिकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के आगमन एवं पुष्प स्वागत के साथ हुआ। कार्यशाला के संयोजक प्रो. एम. एस. कादयान ने स्वागत करते हुए पांच दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में कुल 88 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा उन्हें एसपीएसएस एवं आर सॉफ्टवेयर के माध्यम से डेटा प्रबंधन, परिकल्पना परीक्षण, प्रतिगमन विश्लेषण, बहुविवरणी तकनीकों एवं व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते कहा कि विभाग सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं कौशल विकास के प्रति समर्पित रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों की वर्तमान शोध आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई थी, ताकि उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हो। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कौशल विकास केंद्र के सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया और आयोजन समिति, संसाधन व्यक्तियों तथा तकनीकी स्टाफ के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर प्रो. परमेश कुमार, प्रो. दीपक बब्बर, डॉ. गुरचरण, डॉ. जोरावर बूरा तथा डॉ. विपिन बाला सहित अन्य संकाय सदस्यगण सम्मिलित रहे।

हरियाणा मॉडल–जनविश्वास, जनकल्याण और जनविकास

डॉ. राज नेहरू
महानिदेशक, स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी

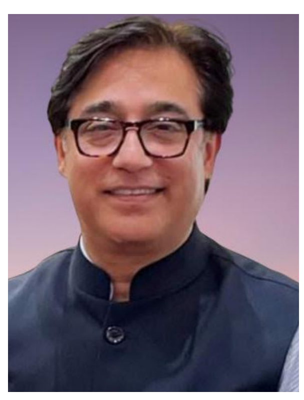

चंडीगढ़, (प्रमोद कौशिक) ़ प्राचीन ग्रंथ कौटिल्य अर्थशास्त्र में कहा गया है, 卐प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्। नात्मप्रियं हितं राज्ञः प्रजानां तु प्रियं हितम्॥卐 अर्थात प्रजा की खुशी में ही राजा की खुशी है; उनकी भलाई में ही उसकी भलाई। जो उसे व्यक्तिगत रूप से अच्छा लगे, उसे ही अच्छा न मानकर, जो प्रजा को अच्छा लगे, उसे ही हितकारी समझे। यह सिद्धांत आज भी उतना ही प्रासंगिक है। सच्चा शासन व्यक्तिगत सत्ता या क्षणिक लाभ के बारे में नहीं, बल्कि ऐसी संस्थाओं के निर्माण के बारे में है जो हर नागरिक के स्तर ऊपर उठाएं, समृद्धि का प्रसार करें और न्याय सुनिश्चित करें। इतिहास गवाह है कि जब नेता इस भावना को अपनाते हैं, अनुशासन और क्रियान्वयन की ओर बढ़ते हैं, तो समाज में गहरा बदलाव आता है। संभावनाएं प्रगति में बदल जाती हैं और ठहराव सतत विकास में तब्दील हो जाता है।

हरियाणा इसी प्रजा–केंद्रित शासन की मिसाल है। कुदरती तौर पर हरियाणा कई के पास कई उपलब्धियां हैं। उपजाऊ भूमि, अच्छा पानी, भौगोलिकता भी बेहतरीन। राष्ट्रीय राजधानी से निकटता, लेकिन लंबे समय तक यह अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं कर पाया। आर्थिक विकास कुछ शहरी केंद्रों जैसे गुरुग्राम और फरीदाबाद तक सीमित रहा, जबकि ग्रामीण हरियाणा के बड़े हिस्से बिजली की अनियमितता, रोजगार की कमी और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं से जूझते रहे। युवा भर्ती प्रक्रियाओं की अस्पष्टता से निराश होते थे और पर्ची–खर्ची के आक्षेप लगते थे। किसान बुनियादी ढांचे की अनिश्चितता से परेशान थे और आम नागरिक प्रशासन को दूर और पहुंच से बाहर महसूस करते थे। सार्वजनिक ऋण बढ़ता जा रहा था, मुख्य रूप से गैर–उत्पादक खर्चों से। सामाजिक चुनौतियां गहरी थीं, 2014 में जन्म के समय लिंग अनुपात मात्र 871 था, स्वास्थ्य सेवाओं में कमी थी। रोजगार आकांक्षाओं के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा था और पक्षपात के आरोपों ने जनता का भरोसा धीरे–धीरे कम किया। कुल मिलाकर, संसाधन तो बहुत थे, लेकिन संस्थाएं कमजोर; विकास था, लेकिन समावेशी नहीं; वादे थे, लेकिन प्रभावी शासन नहीं।

इस अनदेखी क्षमता के बीच एक नई नेतृत्व दृष्टि की जरूरत थी, ईमानदारी, पारदर्शिता और जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता वाली। 2014 से जब भाजपा सत्ता में आई, तो मनोहर लाल खट्टर और अब नायब सिंह सैनी ने लगातार इस दिशा में काम किया। उनका उद्देश्य स्पष्ट था, ईमानदार, जवाबदेह शासन, जहां योग्यता हावी हो, भ्रष्टाचार को कोई जगह न मिले और हर नागरिक की प्रगति ही सफलता का पैमाना बने। मनोहर लाल खट्टर का कार्यकाल जीवनभर की निस्वार्थ सेवा, नैतिक आचरण और पक्षपात के प्रति जीरो टॉलरेंस से बना था। उन्होंने पारदर्शिता को प्रशासन की नींव बनाया। वे अक्सर कहते थे कि जनता का भरोसा, जीरो भ्रष्टाचार और योग्यता–आधारित अवसरों में, सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। इस नींव पर नायब सिंह सैनी ने और मजबूती दी। उन्होंने अच्छे शासन, पारदर्शी भर्ती, समय पर सेवा वितरण और जनता के प्रति संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी। हर अधिकारी के लिए जनसेवा सर्वोपरि हो, यह सुनिश्चित किया। दोनों नेताओं की एकसमान दृष्टि ने राज्य में दिशा दी, युवाओं और निवेशकों में गहरा भरोसा बहाल किया और समावेशी, परिणाम–उन्मुख विकास की नई लहर शुरू की।

2015 के राज्य वित्त पर व्हाइट पेपर ने कांग्रेस के दस साल के अंत में गहरी समस्याओं को उजागर किया था। राज्य की अपनी आय का हिस्सा घटकर 80.4% रह गया था (2004–05 में 89.5% से), केंद्रीय अनुदान पर निर्भरता बढ़ी, बिजली निगम डिस्कॉम घाटे में डूबे (2013–14 में राष्ट्रीय स्तर पर 67,000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान), भर्तियां अस्पष्ट और मुकदमेबाजी वाली, औद्योगिक विकास गुरुग्राम तक सीमित और सामाजिक संकेतक कमजोर (जन्म लिंग अनुपात 871)। भाजपा सरकार ने व्यवस्थित, संस्थागत सुधारों से इन समस्याओं का सीधा सामना किया। हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन जैसी संस्थाओं से पारदर्शी, योग्यता–आधारित भर्ती ने सरकारी नौकरियां दोगुनी से ज्यादा कर दीं, 2004–14 में लगभग 86,000 से 2014–2024 में 1.43 लाख से अधिक। मुकदमेबाजी घटी और युवाओं का भरोसा लौटा। आज जिलों में युवा सरकारी कर्मचारियों से बात करें तो वे बार–बार यही कहते हैं, पहली बार चयन पूरी तरह योग्यता पर हुआ, बिना राजनीतिक संरक्षण या पैसे के। बिचौलियों और रिश्वत के बिना न सिर्फ व्यवस्था पर भरोसा लौटा, बल्कि सरकारी नौकरी की गरिमा भी बहाल हुई।

2015–2025 में 24.35 लाख रोजगार सृजित हुए। कुल कार्यबल 86.34 लाख से बढ़कर 110.69 लाख हुआ। 25,000 रुपये से ज्यादा कमाने वालों की संख्या दोगुनी हो गई, वेतनभोगी और स्व–रोजगार दोनों में। पहले दशक में कृषि से मजबूरी में पलायन तेज था, लेकिन 2015–25 में यह काफी धीमा हुआ। अब श्रमिकों का आवागमन संरचनात्मक और अवसर–आधारित है, न कि मजबूरी से। कृषि में हरियाणा सरकार ने किसान कल्याण, आय स्थिरता और सतत अभ्यासों को प्राथमिकता दी। हरियाणा राज्य देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां किसानों द्वारा उगाई गई सभी 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद होती है, इससे 12 लाख से ज्यादा किसान लाभान्वित हुए। भावांतर भरपाई, मेरा पानी मेरी विरासत, ई–क्षतिपूर्ति जैसी योजनाओं से फसल आय दोगुनी करने में मदद मिली। मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना ने किसानों का कृषि में विश्वास बढ़ाया।

शिक्षा क्षेत्र में रणनीतिक निवेश हुए। 16 से ज्यादा हैं, स्किल डेवलपमेंट, स्पोर्ट्स, संस्कृत, डिजाइन और आयुर्वेद पर फोकस किया गया है। कॉलेज 20 किमी और स्कूल 10 किमी के दायरे में स्थापित करने की नीति से शिक्षा की पहुंच बढ़ी। ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो 33% तक पहुंचा। ग्रामीण–समी–शहरी इलाकों में कॉलेजों की पहुंच से जीवन बदल गए। माता–पिता बताते हैं कि पहले स्कूल के बाद बेटियां पढ़ाई छोड़ देती थीं, अब घर से दूर न जाकर उच्च शिक्षा ले रही हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाडो लक्ष्मी और हर घर हर ग्रहणी जैसी योजनाएं शुरू हुईं।

आर्थिक रूप से राज्य का जीएसडीपी वर्तमान मूल्यों पर तीन गुना से ज्यादा बढ़ा, 2013–14 में 3.99 लाख करोड़ से 2024–25 में 12.16 लाख करोड़ तक। विकास गुरुग्राम से आगे फैला—एक्सप्रेसवे, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और विविध निवेश से। एचएसआईआईडीसी और राज्य सरकार के प्रयासों से हरियाणा वैश्विक और राष्ट्रीय कंपनियों का पसंदीदा गंतव्य बना। मारुति सुजुकी (18,000 करोड़), एटीएल बैटरी (7,197 करोड़), सुजुकी मोटरसाइकिल (1,466 करोड़), ग्रासिम (1,140 करोड़), फ्लिपकार्ट (1,389 करोड़) जैसे बड़े निवेश आए। टोयोटा, उनो मिंडा ने विस्तार किया। युफ्लेक्स, अमूल, फैवले ट्रांसपोर्ट जैसे निवेशक आए। 2019–2024 में 3,100 से ज्यादा इंडस्ट्रियल प्लॉट आवंटित, 50,000 करोड़ से ज्यादा निवेश की संभावना। प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से ज्यादा हुई, राष्ट्रीय औसत से 70% ज्यादा। केंद्रीय अनुदान का हिस्सा 11% से घटकर 6.45% हुआ, आत्मनिर्भरता बढ़ी। एमएसएमई उद्यम 5.20 लाख से बढ़कर 20 लाख से ज्यादा, 38 लाख नई नौकरियां बनीं। बिजली क्षेत्र में सुधारों से घाटे वाली डिस्कॉम लाभ में आईं। 2015–25 में एटीएंडसी घाटा 30% से घटकर 10% हुआ। 5,800 से ज्यादा गांवों में 24 घंटे सातों दिन बिजली पहुंची। जगमग योजना से देहात जगमगाया। सामाजिक बदलाव भी उल्लेखनीय है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से जन्म लिंग अनुपात 871 से बढ़कर 2025 में 923 हुआ, पांच साल में सर्वाधिक। मेडिकल शिक्षा क्षमता 700 एमबीबीएस सीटों से 2,185 से ज्यादा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता बताती हैं कि लड़की के जन्म पर अब गांवों में खुशी मनाई जाती है, पहले की झिझक गायब हो गई। शासन को डिजिटल किया, एसएआरएएल पोर्टल से 600 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन करने से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। वित्तीय अनुशासन से प्रदेश की आय बढ़ी, केंद्रीय अनुदान पर निर्भरता घटी। ऋण प्रबंधनीय, पूंजीगत खर्च बढ़ा। एसडीजी संकेतकों में सुधार हुआ है; 2018 में 55 से 2024 में 72 तक। आयुष्मान भारत और चिरायु से आधी आबादी को स्वास्थ्य बीमा, स्वास्थ्य खर्च कम। शिशु मृत्यु दर घटी, संस्थागत प्रसव आम, राज्य ओडीएफ। स्टार्टअप इकोसिस्टम जीवंत रूप में सामने आया, लगभग 10,000 स्टार्टअप, युवाओं में आकांक्षा और नवाचार का भाव लेकर आया। हरियाणा का यह परिवर्तन व्यक्तिगत शासन से संस्थागत, पारदर्शी और परफॉर्मेंस–आधारित मॉडल में बदलाव है। नैतिक नेतृत्व, योग्यता–आधारित व्यवस्था, वित्तीय अनुशासन और तकनीक से जनसेवा ने जनभरोसा मजबूत किया। भर्ती, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और औद्योगिक नीति में सुधारों से रोजगार बढ़ा, निवेश आया, मानव पूंजी मजबूत हुई, वित्तीय स्थिरता आई। ईमानदारी, रणनीतिक बुनियादी ढांचे और सामाजिक निवेश से हरियाणा एक लचीला, समावेशी और भविष्य– तैयार विकास मॉडल बन गया, आर्थिक विस्तार के साथ सामाजिक न्याय और स्थिरता का संतुलन पैदा हुआ है। हरियाणा का यह विकास मॉडल आज देश बाहर में एक आदर्श बन गया है।

युवा पीढ़ी को संस्कृति और संस्कारों के साथ जोड़ने के लिए सांग विधा निभा सकती है अहम भूमिका-धर्मवीर मिर्जापुर

चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर ने सांग महोत्सव के चौथे दिन का किया शुभारंभ

रमन कुमार

कुरुक्षेत्र,हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कृति और संस्कारों के साथ जोड़ने के लिए सांग विधा अहम भूमिका अदा कर सकती है। इस विधा के माध्यम से युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने के लिए सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग सराहनीय कार्य कर रहा है। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लोककला, संस्कृति और कलाकारों के उद्धार के लिए नियमित रूप से योजनाओं को अमलीजामा पहना रहे है। हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड धर्मवीर मिर्जापुर वीरवार को हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से आयोजित 5 दिवसीय सांग महोत्सव 2026 के चौथे दिन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड धर्मवीर मिर्जापुर, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह, पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू, राष्ट्रपति अवार्डी प्रेम देहाती, प्रोफेसर रामनिवास सहरावत, डा. हनीफ खान ने प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि प्रदेश की सांग जैसी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से सांग महोत्सव का अनोखा मंच दिया है। इस मंच पर प्रदेश भर से करीब 25 सांग के ग्रुप के कलाकारों ने युवा पीढ़ी के समक्ष सांग जैसी विधा को अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया है। यह कलाकार ही सांग जैसी विधा को संरक्षित करने का काम कर रहे है और इन कलाकारों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रोत्साहित करने का काम कर रहे है। डीआईपीआरओ डा. नरेन्द्र सिंह ने हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड धर्मवीर मिर्जापुर को स्वच्छ पर्यावरण बनाएं रखने के लिए एक पौधा भेंट किया और पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। हरियाणा पशुधन एवं डेयरी विकास बोर्ड धर्मवीर मिर्जापुर ने सांग के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि इस सांग की विधा से कलाकार समाज की कुरीतियों से बचने का संदेश देने के साथ–साथ समाज में भाईचारा बनाएं रखने की भावना का संदेश भी देते है। इस विधा को युवा पीढ़ी के लिए सहेजने के उद्देश्य से ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार जनसम्पर्क विभाग की तरफ से सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया है। इस सांग महोत्सव का आयोजन प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह सांगी की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है।

लिवासा अस्पताल नवांशहर ने साप्ताहिक ऑन्कोलॉजी ओपीडी शुरू की

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

नवांशहर- लिवासा अस्पताल, नवांशहर में शुक्रवार को साप्ताहिक ऑन्कोलॉजी ओपीडी शुरू की गई। डायरेक्टर –मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. जतिन सरीन, डायरेक्टर – रेडिएशन ऑन्कोलॉजी डॉ. मीनाक्षी मित्तल और डायरेक्टर –सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. विजय बंसल प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक ओपीडी के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर, एक निश्शुल्क ऑन्कोलॉजी परामर्श शिविर भी आयोजित किया गया, जहां अस्पताल के विशेषज्ञों ने कैंसर चेतावनी के संकेतों के बारे में जागरूकता साझा की। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. जतिन सरीन ने जोर देकर कहा कि अस्पष्टीकृत वजन घटाने, लगातार थकान, गांठ या सूजन, असामान्य रक्तस्राव, मल या मूत्र में रक्त, और गैर–उपचार घावों जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि शुरुआती पहचान से जीवित रहने और उपचार की सफलता में काफी सुधार होता है। डॉ. मीनाक्षी मित्तल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आधुनिक ऑन्कोलॉजी अत्यधिक उन्नत और सटीक उपचार विकल्प प्रदान करती है, लेकिन जब कैंसर का शीघ्र निदान किया जाता है तो परिणाम सबसे अच्छे होते हैं, जिससे नियमित जांच और जागरूकता महत्वपूर्ण हो जाती है। डॉ. विजय बंसल ने कहा कि सर्जरी, जब सही चरण में की जाती है, तो कई कैंसर में उपचारात्मक हो सकती है।

होशियारपुर में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा मनोबल पर प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित

एस. के. सक्सैना

Divya Jyoti Jagriti Sansthan द्वारा होशियारपुर में स्थित DAV College of Education, Hoshiarpur में एक प्रेरणादायक एवं जागरूकता से भरपूर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी राजवंत भारती जी ने फ्मनोबलफ् विषय पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

अपने उद्बोधन में साध्वी जी ने वर्तमान समय में बढ़ती हुई समस्याओं जैसे एंग्जायटी (चिंता), ओवरथिंकिंग तथा डिप्रेशन (अवसाद) के कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मानसिक अस्थिरता का मुख्य कारण कमजोर मनोबल और आत्मचिंतन की कमी है। इन समस्याओं से निजात पाने के लिए उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सकारात्मक सोच तथा मनोबल बढ़ाने वाली अतिरिक्त गतिविधियों को अपनाने पर बल दिया।

साध्वी जी ने विद्यार्थियों को ञ्चद्धद्धव्द्धठ्ठड्ड और ृह्द्धह्डड्ड का उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना गुरु स्वीकार कर जीवन की दुविधाओं और चिंताओं से मुक्ति पाई, उसी प्रकार हमें भी ऐसे सच्चे गुरु का आश्रय लेना चाहिए जो हमें मानसिक शांति और सही दिशा प्रदान करें। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रेरक गतिविधियाँ भी करवाई गईं, जिनके माध्यम से उन्हें अपने भीतर की शक्ति को पहचानने और आत्मविश्वास बढ़ाने की प्रेरणा मिली। पूरा कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक रहा। उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने व्याख्यान को ध्यानपूर्वक सुना और सराहा। साध्वी जी ने अंत में आगामी अप्रैल माह में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा का संदेश भी दिया और सभी को उसमें सम्मिलित होकर आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ उठाने हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर साध्वी शंकर प्रीता भारती जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। यह कार्यक्रम समाज में जागृति लाने तथा युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से सशक्त एवं जागरूक बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

विजीलैंस ब्यूरो ने एफ.सी.आई. अधिकारी के तकनीकी सहायक को 20,000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों किया काबू

पंकज

चंडीगढ़–पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार विरुद्ध चल रहे अभियान दौरान, ज़िला जालंधर के भोगपुर स्थित एफसीआई दफ़्तर में तैनात तकनीकी सहायक रूही बाला कालिया को 20, 000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है। इस सम्बन्धित जानकारी देते, राज्य विजीलैंस ब्यूरो के एक सरकारी वक्ता ने बताया कि उक्त दोषी को गुरू तेग़ बहादुर चावल मिल, नंगल फ़िदा, सब– तहसील भोगपुर, ज़िला जालंधर के मैनेजर की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है। इस सम्बन्धित शिकायतकर्ता ने बताया कि खरीद सीजन 2025–26 के लिए उक्त चावल मिल को धान की 49, 086 बोरियां अलाट की गई थी। अलाट की गई मात्रा में से, चावलों की 1,160 बोरियां दो खेप (प्रत्येक खेप में 580 बोरियां) एफ.सी.आई.को भेजने के लिए लम्बित थे। उन्होंने बताया कि उक्त दो खेप भोगपुर स्थित एफ.सी.आई. गोदाम में भेजी गई थी। इसके बाद, दोषी रूही बाला कालिया ने उक्त खेप को क्लीयर करने के लिए शिकायतकर्ता से 25, 000 रुपए रिश्वत की मांग की। यह मांग शिकायतकर्ता के मुनीम आदर्श कुमार के साथ मोबाइल फ़ोन के द्वारा हुई बातचीत दौरान की गई थी। बताने योग्य है कि पहले भी, दोषी ने शिकायतकर्ता से अपनी फर्म की पिछली खेप को क्लीयर करने बदले 50, 000 रुपए रिश्वत ली थी। अपनी खेप को रद्द करने के डर से, शिकायतकर्ता मजबूरी में रिश्वत देने के लिए सहमत हो गया। हालांकि, विनती करने%और, दोषी बकाया खेप को क्लीयर करने के लिए 20, 000 रुपए लेने के लिए सहमत हो गया। रिश्वत की मांग सम्बन्धित सारी बातचीत शिकायतकर्ता की तरफ से रिकार्ड कर ली गई थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इस लिए उसने पंजाब विजीलैंस ब्यूरो, यूनिट कपूरथला के पास पहुंच की और शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए, विजीलैंस ब्यूरो ने एक जाल बिछाया, जिस दौरान दोषी रूही बाला कालिया को सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 20, 000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया गया। इस सम्बन्धित, मुलजिम विरुद्ध विजीलैंस ब्यूरो के थाना जालंधर में भ्रष्टाचार रोकू कानून के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में आगे की जांच जारी है।

जालंधर में आयोजित मां बोली पंजाबी मार्च में देश-विदेश से लोगों के इकट्ठ ने की शिरकत

पंजाब सरकार विश्व के कोने–कोने में पंजाबी भाषा को उत्साहित करने लिए दृढ़ संकल्प–कुलतार संधवा

रमन कुमार

जालंधर अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित पंजाबी जागृति मंच एवं पंजाब पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों विभाग के सलाहकार दीपक बाली द्वारा शहर भर में प्रभावशाली मां बोली पंजाबी मार्च निकाला गया। इस मौके पर देश–विदेश से लोगों के जोरदार इकट्ठ द्वारा पंजाबी भाषा एवं संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार की दृढ़ वचनबद्धता को दोहराया गया। इस मौके पर पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा, कैबनेट मंत्री मोहिंदर भगत, सदस्य संसद अशोक मित्तल, डिप्टी कमिश्नर डा.हिमांशु अग्रवाल एवं सीनियर आप आगू राजविंदर कौर थियाड़ा के इलावा अन्य शख्सियतों द्वारा मार्च में शिरकत की गई। हजारों की गिनती में लोग लायलपुर खालसा स्कूल, नकोदर रोड में इकट्ठे हुए जहां से यह मार्च शुरू हुआ। शहर के अलग–अलग स्थानों से होता हुआ यह मां बोली पंजाबी मार्च देश भगत यादगार हाल में पहुंचकर समाप्त हुआ। इस मौके पर लोगों के जोरदार जत्थों को संबोधन करते हुए स्पीकर कुलतार सिंह संधवा द्वारा मातृभाषा की महत्ता बारे जागरूकता फैलाने लिए दीपक बाली द्वारा किए गए संजीदा प्रयास की प्रशंसा की गई। उन्होंने युवाओ को पंजाबी भाषा का राजदूत बनने का सदा देते हुए विश्व स्तर पर मां बोली के प्रचार एवं प्रसार का संदेश दिया गया। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री पंजाब स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व राज्य सरकार विश्व के कोने–कोने में पंजाबी भाषा को उत्साहित करने लिए वचनबद्ध है। श्री संधवा ने जोर देते हुए कहा कि भले सभी भाषाएं सम्मान योग्य है पर लोगों को अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने मां–बापों को प्रेरित किया कि घर में बच्चों के साथ पंजाबी भाषा में बातचीत की जाए। इस मौके पर अपने संबोधन में पंजाब के पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने कहा कि बड़े स्तर पर पंजाबी भाषा को उत्साहित करने की जरूरत पर जोर देते हुए सभी शिक्षा संस्थाओं में पंजाबी भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने की मांग भी की गई। उन्होंने बताया कि मातृभाषा दिवस को एक त्योहार की तरह मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी की पहचान उसकी मातृभाषा की गहरी जड़ों से जुड़ी होती है। इस मौके पर मार्च द्वारा पंजाब विधान सभा के स्पीकर को पंजाबी भाषा को और मजबूत करने संबंधी मांग पत्र भी दिया गया। उन्होंने भरोसा जताया कि इस मसले को पंजाब सरकार से विचार किया जाएगा। समागम को सांस्कृतिक रंगत देने लिए प्रसिद्ध गायक मनकीरत औलख, दलविंदर दियालपुरी, कुलविंदर कैली एवं गुरलेज़ अख्तर द्वारा श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया गया।

एमएनएस अधिकारियों ने मनाया ईएसएम दर्जा कृतज्ञता और सम्मान

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

होशियारपुर, आज सैनिक रेस्ट हाउस होशियारपुर में आयोजित %ईएसएम दर्जा कृतज्ञता और सम्मान% कार्यक्रम में, पूर्व सैन्य नर्सिंग अधिकारियों कल्याण संगठन इंडिया, ईएमएनओडब्ल्यूआई के प्रतिनिधियों ने भारत के राष्ट्रपति द्वारा 9 फरवरी 2026 को एक गेजेट के माध्यम से स्थायी समाधान के रूप में ईएसएम दर्जा दिए जाने की उपलब्धि का जश्न मनाया, जिससे उनकी लगभग एक दशक की संघर्ष को समाप्त किया गया। एमएनएस अधिकारियों ने विशेष रूप से मुख्य अतिथि सांसद अविनाश राय खन्ना को उनकी मांग का समर्थन करने और रक्षा मंत्री के साथ व्यक्तिगत रूप से मुद्दा उठाने के लिए सम्मानित किया, जबकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित भी था। कार्यक्रम की संयोजक मेजर ब्यंत कौर ने पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना के अथक प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने एमएनएस अधिकारियों को नियमित सेना के बराबर दर्जा दिलाने में सफलता प्राप्त कराई। खन्ना की 2024 की पहल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ, दशकों पुराने संघर्ष को समाप्त करने में सफल रही, जिसमें कैप्टन गुरप्रीत कौर की सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई का भी योगदान रहा। अधिकारीयों ने सांसद खन्ना, सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी जोशी (ईएमएनओडब्ल्यूआई संस्थापक), और कैप्टन गुरप्रीत कौर (अब पीसीएस अधिकारी, सहायक आयुक्त होशियारपुर) को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। अविनाश खन्ना और सहायक आयुक्त कैप्टन गुरप्रीत कौर ने अश्वनी जोशी के निस्वार्थ कार्य की प्रशंसा की; अश्वनी ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया, एमएनएस एकता और कल्याण के प्रयासों के लिए आह्वान किया। एमएनएस अधिकारियों ने अश्वनी की पुस्तक, फ्राइम्स ऑफ रेजिलिएन्स एमएनएस सेंटेनरी पोएटिक एंथोलॉजीफ् के साथ दर्शकों को समझाया, जो अक्टूबर 2025 में प्रकाशित हुई थी, जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि फरवरी 2026 में अंतिम जीत की उम्मीद है और 9 फरवरी 2026 को गेजेट ऑफ इंडिया ने एमएनएस अधिकारियों को नियमित सेना के बराबर रखा, और 13 फरवरी 2026 को रक्षा मंत्रालय ने आदेश जारी किए, जिसके बाद 25 फरवरी 2026 को केंद्री सैनिक बोर्ड ने जिला सैनिक बोर्डों को आदेश दिए। यह सभी खन्ना के प्रयासों को दर्शाता है। सहायक आयुक्त कैप्टन गुरप्रीत कौर को सुप्रीम कोर्ट में उनकी जीत लड़ने के लिए सम्मानित किया गया। कैप्टन रिम्पल गिल ने मेजर जनरल सुशीला शाही का संदेश पढ़ा, जिसमें कहा गया था, फ्आज, हम एक मील के पत्थर का जश्न मनाते हैं और इस यात्रा का सम्मान करते हैं। आपके विश्वास ने हमें आगे बढ़ाया। आपके कठिन प्रयास, दिल और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। आप इस क्षण के अधिकारी हैं! श्री अविनाश खन्ना जी को हमारी ईएसएम मुद्दे का समर्थन करने, ईएमएनओडब्ल्यूआई संस्थापक और संयोजक अश्वनी जोशी को मूल्यवान नेतृत्व के लिए, और कैप्टन गुरप्रीत कौर को जीत तक लड़ने के लिए ठोस साहस के लिए विशेष धन्यवाद। जय हिन्द! लेट जनरल जेएस ढिल्लों ने ईएसएम के अधिक कल्याण के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम में कर्नल सरबजीत सिंह सैनी, जिला रक्षा सेवाएं कल्याण अधिकारी, प्रोफेसर (डॉ) परमिंदर कौर सैनी, प्रिंसिपल सैनिक इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक, और पूर्व एमएनएस अधिकारियों के परिवारों ने भाग लिया।

रील मेकिंग में अनंत रावल ने जीता प्रथम पुरस्कार

मनदीप कौर

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के युवा पर्यटन क्लब द्वारा रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया

पलवल,श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के युवा पर्यटन क्लब द्वारा रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। बैचुलर ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट के विद्यार्थी अनंत रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एमबीए के अभिषेक दूसरे और एमबीए के ही अमन तीसरे स्थान पर रहे। बीएचएम के कृष्ण ने चौथा और गौरव ने पाँचवां स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यटन,आतिथ्य एवं डिजिटल रचनात्मकता से संबंधित विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषयों में उम्दा रील बनाई और इन्हें संदेशपूर्ण तैयार किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. विकास बालियान ने बताया कि निर्णायक मंडल द्वारा परिणाम घोषित किए गए। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में पर्यटन जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है। डॉ. विकास बालियान ने कहा कि इससे विद्यार्थियों में डिजिटल कौशल का भी रचनात्मक विकास हुआ है। आयोजन टीम के सदस्य डॉ. हिमांशु मलिक, संदीप मलिक तथा शेफ सतीश दिलावर ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया। डॉ. हिमांशु मलिक ने समापन पर सभी का आभार ज्ञापित किया।

लुवास में अंतर-विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक समापन, पीजी टीम बनी चैंपियन

एस. के. सक्सैना

हिसार, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) द्वारा आयोजित अंतर– विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना के प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। यह प्रतियोगिता माननीय कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा के कुशल मार्गदर्शन तथा छात्र कल्याण निदेशक के तत्वावधान में दिसंबर 2025, से प्रारंभ हुई थी। लगभग एक माह तक चले इस प्रतिष्ठित आयोजन में विश्वविद्यालय की 10 टीमों ने भाग लिया और पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, समर्पण तथा उत्कृष्ट खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला पीजी टीम और नॉन–टीचिंग टीम के बीच खेला गया, जिसने रोमांच की सभी सीमाएं पार कर दीं। दर्शकों की धड़कनें अंतिम क्षणों तक तेज रहीं। मैच का निर्णय आखिरी गेंद पर हुआ, जब पीजी टीम को जीत के लिए 2 रनों की आवश्यकता थी। मैदान पर तनाव और उत्साह चरम पर था। अंतिम गेंद पर बल्लेबाजों ने साहस, धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए आवश्यक रन पूरे किए और टीम को विजेता बना दिया। इस यादगार जीत के साथ पीजी टीम ने चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि नॉन–टीचिंग टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का गौरव प्राप्त किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डॉ. विनय चाहल को मैन ऑफ द मैच तथा डॉ. मनोज घनघास को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुशील खरिंटा रहे, जो सामाजिक संस्था हमारा प्यार हिसार के संस्थापक सदस्य हैं। यह संस्था पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समस्याओं के समाधान तथा निःशुल्क पुस्तकालय संचालन जैसे सराहनीय कार्यों में निरंतर सक्रिय है। अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रो. खरिंटा ने बताया कि संस्था की शुरुआत मात्र 12 सदस्यों के साथ हुई थी और आज इसमें 150 से अधिक सदस्य समाज सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जिस समाज में हम रहते हैं, उसके उत्थान के लिए हमें भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की अपील की। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संदीप कुमार, सहायक छात्र कल्याण निदेशक (खेल) डॉ. यशवंत सिंह, क्रिकेट अध्यक्ष डॉ. सतबीर शर्मा, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. निलेश सिन्धु, डॉ. तरुण सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के जज्बे और खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आपसी सौहार्द को भी सुदृढ़ बनाते हैं।

जब हम साथ बैठकर भोजन करते हैं तो भेदभाव की दीवारें स्वत: हो जाती हैं समाप्त-कुलपति

आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो.धीमान ने विश्वविद्यालय परिवार के साथ किया सामूहिक भोजन

एस. के. सक्सैना

कुरुक्षेत्र, (श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सामूहिक भोजन किया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सामूहिक भोजन के दौरान सभी ने एक–दूसरे के साथ अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. धीमान ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां आपसी सहयोग, सम्मान और समरसता की भावना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामूहिक भोजन जैसे आयोजन आपसी दूरी को कम करते हैं और संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम साथ बैठकर भोजन करते हैं तो भेदभाव की दीवारें स्वत: समाप्त हो जाती हैं और समानता की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ प्रतिदिन बैठकर भोजन करने की आदत डालें,क्योंकि इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं और संवाद बेहतर होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्न का सम्मान करना हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। हमें भोजन को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए तथा जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुधीर मलिक,उप कुलसचिव विकास शर्मा,उप कुलसचिव अतुल गोयल,प्रकाश जोशी,नरेश कुमार, मनीष शर्मा,निवारिक सैनी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं गैर–शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक कला के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार गंभीर -गजेंद्र फौगाट

सांग महोत्सव में तीसरे दिन सांग लीलो चमन, बणदेवी,पिंगला भरथरी, शाही लकड़हारा, दुष्यंत शकुंतला का हुआ मंचन

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

कुरुक्षेत्र, मुख्यमंत्री के ओएसडी व हरियाणा कला परिषद के अतिरिक्त निदेशक गजेंद्र फौगाट ने कहा कि आज का युवा पाश्चात्य संस्कृति की ओर अग्रसर होने के कारण लोक संस्कृति से अनभिज्ञ है, जिसके कारण सांग विधा में युवा पीढ़ी रुचि नहीं लेती, लेकिन प्रदेश सरकार के सूचना, जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित सांग महोत्सव न केवल बुजुर्गों का मनोरंजन कर रहा है, बल्कि महिलाएं तथा युवा भी सांग उत्सव का जमकर लुत्फ उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के ओएसडी व हरियाणा कला परिषद के अतिरिक्त निदेशक गजेंद्र फौगाट ने विशेष रूप से पहुंचकर सांग कलाकारों को प्रोत्साहित किया। गजेंद्र फौगाट ने सांग उत्सव के दौरान निर्णायक की भूमिका अदा कर रहे पद्मश्री महाबीर गुड्डू, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रेम सिंह देहाती, प्रो. रामनिवास शहरावत तथा डा. हनीफ खान व रामनिवास शर्मा को पगड़ी पहनाकर आभार जताया। इसके अलावा दर्शकों की मांग पर गजेंद्र फौगाट ने हरियाणवी रागनी सुनाकर लोगों का दिल जीता।

उन्होंने कहा कि सांग लोक नाट्य की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में लोकप्रिय है। किंतु हरियाणा में आधुनिकता के कारण सांग विधा लुप्त होने की कगार पर खड़ी नजर आ रही थी। जिसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार गंभीरता दिखा रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के के दिशा–निर्देश में हरियाणवी संस्कृति को बचाने तथा युवा वर्ग को संस्कृति से जोड़े रखने के लिए सांग उत्सव जैसे प्रयास करके सूचना, जनसम्पर्क विभाग, कला एवं सांस्कृतिक विभाग तथा हरियाणा कला परिषद हरियाणवी लोक संस्कृति को बढ़ावा देने में प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में लगभग 3000 सांग तथा रागनी कार्यक्रमों के माध्यम से हरियाणवी लोक विधाओं का प्रचार किया जा रहा है। इसके अलावा 1000 से अधिक कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए उनकी आजीविका का साधन प्रदान किया गया। धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत चल रहे पांच दिवसीय सांग महोत्सव के तीसरे दिन सांगी समंदर सिंह, कृष्ण लाल, स्वामी कर्ण सिंह, वेद प्रकाश अत्री और कृष्ण कुमार ने सांग मंचन कर हरियाणवी लोक विधा का सजीव चित्रण किया।

डिजिटल लाइब्रेरी में आयुर्वेद ग्रंथ व अध्ययन सामग्री ऑनलाइन होगी उपलब्ध

आयुष विश्वविद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को और बेहतर बनाने पर मंथन

मनदीप कौर

कुरुक्षेत्र, श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन एप्लीकेशन बेस्ड डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को और बेहतर बनाने पर गंभीरता से मंथन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य स्टूडेंट्स और फैकल्टी को एक ही प्लेटफॉर्म पर व्यापक अकादमिक एवं रिसर्च संसाधनों तक सरल और त्वरित पहुंच उपलब्ध कराना है। प्रस्तावित डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस के अंतर्गत ई–बुक्स, ई–जर्नल्स, शोध प्रबंध (थीसिस) तथा अन्य महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री समय पर प्राप्त होगी और शोध गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। विशेष रूप से आयुर्वेद से संबंधित ग्रंथ, संदर्भ पुस्तकें और शोध–पत्र डिजिटल रूप में सुलभ कराए जाने की योजना है। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में इस दिशा में पहल की जा रही है। इसी क्रम में निंबस कंपनी के प्रतिनिधि आशीष ने विश्वविद्यालय पहुंचकर डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म का डेमो प्रस्तुत किया। डेमो के दौरान प्लेटफॉर्म की उपयोगिता, एक्सेस सिस्टम और रिसर्च सपोर्ट सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुरूप डिजिटल संसाधनों को अपनाना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर की अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध हो सके।

पुस्तकालय अध्यक्ष विनोद राणा ने बताया कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को अपग्रेड करने पर विचार किया जा रहा है। यह प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं शोध का प्रभावी माध्यम बनेगा। इस अवसर पर आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणधीर सिंह, आरएंडआई की निदेशक प्रो. दीप्ति पराशर, प्रो. जितेश कुमार पंडा, प्रो. सीमा रानी, प्रो. आशु, प्रो. अमित कटारिया, प्रो. रविंद्र अरोड़ा, प्रो. शंभू दयाल शर्मा, प्रो. नीलम रानी, प्रो. शीलत सिंगला, प्रो. सतीश वत्स सहित संस्थान के अनेक वरिष्ठ प्राध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी की घटनाओं में शामिल दो बी.के.आई. कारकुन जालंधर से गिरफ्तार; पिस्तौल बरामद

गिरफ्तार आरोपियों ने जबरन वसूली के लिए गड़शंकर इलाके में दो बार की गोलीबारी–डीजीपी गौरव यादव

पंकज

चंडीगढ़/जालंधर, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा–निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलीजैंस (सीआई) जालंधर ने जबरन वसूली से संबंधित गोलीबारी की घटनाओं में शामिल बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) द्वारा समर्थित एक मॉड्यूल के दो मुख्य कारकुनों को एक .32 बोर पिस्तौल, मैगजीन और आठ कारतूसों सहित गिरफ्तार करके इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर

जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ सन्नी और रावल दोनों निवासी गांव कुलम, एसबीएस नगर के तौर पर हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि शुरूआती जांच से पता लगा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अपने विदेशी हैंडलरों – गोपी नवांशाहरीया, जस्सी कुलम और सुशांत चोपड़ा – जो बीकेआई से जुड़े हुए है, के निर्देशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के अनुसार, आरोपियों ने जबरन वसूली के लिए गड़शंकर क्षेत्र में एक ट्रैवल एजेंट के घर पर दो बार गोलीबारी की थी। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए, उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए सीआई जालंधर की टीमों ने जालंधर–अमृतसर हाईवे से जालंधर के सूरानस्सी में लिधड़ां अंडरब्रिज के नजदीक बीकेआई से जुड़े दोनों आरोपियों को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया। डीजीपी ने बताया कि इस मॉड्यूल के आगे–पिछले संबंधों का पता लगाने और इसके अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां एवं बरामदगी होने की संभावना है। इस संबंध में, एफआईआर नंबर 11, तारीख 23.02.2026 को थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सैल (एसएसओसी) अमृतसर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 एवं 61 (2) तथा आर्मज एक्ट की धारा 25 एवं 25(1–बी) (ए) के तहत दर्ज की गई है।

जिला में नकल रहित और शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता-विश्राम कुमार मीणा

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परीक्षाओं में कोताही बर्दाश्त नहीं, ड्यूटी का गंभीरता से पालन करें अधिकारी

रमन कुमार

कुरुक्षेत्र, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई है और यह परीक्षाएं एक अप्रैल तक चलेंगी, इन परीक्षाओं में 12वीं व 26 फरवरी से 20 मार्च तक दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी निर्धारित ड्यूटी का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें। जिला में बोर्ड परीक्षाएं नकल रहित, शांतिपूर्ण हो, इसके लिए सभी दिशा निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की वार्षिक परीक्षा के मद्देनजर संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दे रहे थे। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सभी उपायुक्त के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं पेयजल, बिजली, शौचालय एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरंतर निरीक्षण करें। सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर समाधान करवाना सुनिश्चित करे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने वीसी के बाद अधिकारियों से कहा कि परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि 54 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है और परीक्षाओं से सम्बन्धित विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस मौके पर सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला में संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक आयोजित

मनदीप कौर

कुरुक्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने सामाजिक, किसानी व मजदूर हितों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार– विमर्श किया। बैठक में पधारे सभी किसान योद्धाओं का अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला की समस्त कार्यकारिणी द्वारा दीनबंधु सर छोटूराम जी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया, साथ ही सभी संगठनों ने धर्मशाला में चल रहे विकास कार्यों की खुलकर सराहना की और भविष्य में समाज, किसान व मजदूर हितों के लिए मिलकर

कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राकेश टिकैत, जोगिंदर उग्राहा, के.पी. मित्तल, के.पी. सिंह, जोगिंदर नैन, बलबीर मास्टर, विकास सिंसर सहित आदरणीय अध्यक्ष मंडल एवं भारतवर्ष के विभिन्न किसान व मजदूर संगठनों के सम्मानित नेतागण उपस्थित रहे।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सदस्यों से की व्यवस्था बनाए रखने की अपील

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

चंडीगढ़, हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को बजट सत्र के दौरान विधायकों से सदन और विधान परिसर के आसपास अनुशासन बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने नाते विधायकों के अधिकार भी हैं और विशेषाधिकार भी, लेकिन उन्हें अपनी सीमाओं का भी पालन करना चाहिए। विस अध्यक्ष ने यह ऑब्जर्वेशन मंगलवार सुबह विपक्षी विधायकों की ओर से विधान परिसर में किए गए रोष प्रदर्शन से पैदा हुई परिस्थिति से असंतुष्ट होकर दी है। बता दें कि विपक्षी दल के विधायकों ने मंगलवार सुबह विधान परिसर में अध्यक्ष के गेट पर सरकार के खिलाफ रोष किया था। इस प्रदर्शन के चलते विधान सभा परिसर में व्यवस्था कायम करने में कड़ी मशक्कत का सामना करना। मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों को असुविधा हुई और उन्हें निर्धारित गेट की बजाय की दूसरे रास्ते से आना पड़ा। भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने इस विषय को सदन में उठाया, जिस पर विस अध्यक्ष ने अपनी ऑब्जर्वेशन दी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। पक्ष और विपक्ष की अपनी–अपनी भूमिका है। वेल में आकर प्रदर्शन करना संसदीय प्रथाओं के खिलाफ है। इसमें भी अनेक विधायकों का हावभाव (बॉडी लैंग्वेज) अपेक्षा के अनुरूप नहीं था। इसलिए उन्होंने सभी सदस्यों से सम्यक व्यवहार की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष को शक्तियां प्राप्त हैं तो उन्हें कुछ जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सदन में व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मेरा दायित्व पक्ष–विपक्ष व सभी सदस्यों के अधिकारों की रक्षा करना भी है।

प्रदेश की सांग जैसी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के लिए सरकार ने दिया सांग महोत्सव का अनोखा मंच-कैलाश सैनी

मुख्यमंत्री के कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने भी सांग को लेकर साझा किए अपने अनुभव,सांग की शानदार प्रस्तुति पर मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी ने एक ग्रुप को दी 11 हजार रुपए की राशि

एस. के. सक्सैना

कुरुक्षेत्र, मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि प्रदेश की सांग जैसी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से सांग महोत्सव का अनोखा मंच दिया है। इस मंच पर प्रदेश भर से करीब 25 सांग के ग्रुप के कलाकारों ने युवा पीढ़ी के समक्ष सांग जैसी विधा को अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया है। यह कलाकार ही सांग जैसी विधा को संरक्षित करने का काम कर रहे है और इन कलाकारों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रोत्साहित करने का काम कर रहे है। मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी मंगलवार को देर सायं हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग की तरफ से आयोजित 5 दिवसीय सांग महोत्सव 2026 के दूसरे दिन के कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह, पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू, राष्ट्रपति अवार्डी प्रेम देहाती, प्रोफेसर रामनिवास सहरावत, डा. हनीफ खान, एआईपीआरओ बलराम शर्मा ने प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने सांग की प्रस्तुति से खुश होकर लोक कलाकार सुभाष और उनके साथी कलाकारों की सांग पार्टी को 11 हजार रुपए की राशि देने की घोषणा की है। डीआईपीआरओ डा.नरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को स्वच्छ पर्यावरण बनाएं रखने के लिए एक पौधा भेंट किया और पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी ने बचपन के दिनों में देखे सांग के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि इस सांग की विधा से कलाकार समाज की कुरीतियों से बचने का संदेश देने के साथ–साथ समाज में भाईचारा बनाए रखने की भावना का संदेश भी देते है। इस विधा को युवा पीढ़ी के लिए सहेजने के उद्देश्य से ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार जनसम्पर्क विभाग की तरफ से सांग महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया है। इस सांग महोत्सव का आयोजन प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह सांगी की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। इस सांग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहने वाली टीम को मुख्यमंत्री 1 लाख रुपए की राशि देकर सम्मानित करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार ही सांग महोत्सव में भाग लेने वाली टीमों को आर्थिक सहायता के रूप में 30–30 हजार की राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। यह सभी प्रयास केवल हरियाणा की सांग विधा को जीवित रखने के लिए किए जा रहे है। इस सांग में कलाकारों ने अपने रोल में पूरी जान फूंकने का काम किया है। जिसके चलते ही इस सांग को देखने के लिए दूर दराज से दर्शक पहुंचे है। इन दर्शकों के माध्यम से ही सांग विधा का संदेश घर–घर तक पहुंचेगा और सरकार का मकसद भी पूरा होगा। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन रामनिवास ने किया। इस मौके पर अधीक्षक हाकिम सिंह, धर्मपाल, विकास सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे

भगवंत मान सरकार द्वारा 18 मार्च को पूरे राज्य में 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा-तरुणप्रीत सिंह सौंद

राज्य स्तरीय समारोह के दौरान 100 शीर्ष महिला उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये दिए जाएंगे-तरुणप्रीत सिंह सौंद

मनदीप कौर

चंडीगढ़, भगवंत मान सरकार के नेतृत्व में पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (पीएसआरएलएम) द्वारा 18 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है, जिसके दौरान पंजाब सरकार द्वारा पूरे राज्य के विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्य स्तर पर 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह के दौरान 100 शीर्ष उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि स्वयं सहायता समूहों की गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों की दर 18 प्रतिशत से घटकर 2.16 प्रतिशत हो गई है। इस संबंध में बड़े स्तर पर समारोहों की घोषणा करते हुए और वर्ष 2022 के बाद दिए जा रहे वित्तीय तथा संस्थागत लाभों की जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि सरकार द्वारा पूरे राज्य में स्वयं सहायता समूहों का विस्तार किया गया है, वित्त पोषण में वृद्धि की गई है और ग्रामीण महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ किया गया है। मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा, 卐पूरे राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से स्वयं सहायता समूह की 100 महिला उद्यमियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। कुल 11,700 महिला उद्यमियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार, 23 जिलों से 2,300 और प्रत्येक जिले से 100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर एक समिति द्वारा पंजाब की शीर्ष 100 महिला उद्यमियों का चयन किया जाएगा और उनमें से प्रत्येक को 25,000 रुपये से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रकार राज्य द्वारा 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा।卐 पंजाब सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पंजाब के मंत्री ने कहा, 卐वर्ष 2022 से 2026 तक कुल 28,734 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं, जबकि पिछली सरकारों के दौरान वर्ष 2011 से 2022 के बीच 29,053 स्वयं सहायता समूह बनाए गए थे। इसी प्रकार, वर्ष 2022 से 2026 तक मात्र चार वर्षों में 2,90,213 स्वयं सहायता समूह सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि वर्ष 2011 से 2022 तक ग्यारह वर्षों के दौरान 2,97,083 सदस्य शामिल किए गए थे।卐 संस्थागत विस्तार पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, 卐वर्ष 2022 से 2026 तक कुल 2,427 ग्राम संस्थाएं बनाई गई हैं, जबकि 2011 से 2022 के बीच 1,806 ग्राम संस्थाएं

बनाई गई थीं। इसी प्रकार, वर्ष 2022 से 2026 तक स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड के रूप में 53.03 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि वर्ष 2011 से 2022 के बीच रिवॉल्विंग फंड के रूप में 28.59 करोड़ रुपये जारी किए गए थे।卐 वित्तीय सहायता के बारे में विवरण देते हुए मंत्री ने बताया, 卐वर्ष 2022 से 2026 तक कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड के रूप में 84.88 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जबकि 2011 और 2022 के बीच 105.72 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों ने 2022 से 2026 तक 631.76 करोड़ रुपये के ऋण प्राप्त किए हैं, जबकि 2011 और 2022 के बीच 171.13 करोड़ रुपये के ऋण प्राप्त किए गए थे। हमारी सरकार ने 2022 से 2026 तक स्वयं सहायता समूहों की गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों को घटाकर 2.16 प्रतिशत कर दिया है, जो कि 2011 और 2022 के बीच 18 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार द्वारा पिछली सरकारों की तुलना में काफी अधिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 卐पीएसआरएलएम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। आज, ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं बचत, ऋण प्रबंधन, छोटे उद्यमों, कुटीर उद्योगों, कृषि सहायक गतिविधियों और सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अनेक महिलाएं अपने गांवों में उद्यमी बन चुकी हैं, रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं और अन्य परिवारों के लिए प्रेरणा स्रोत बन रही हैं।मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि अब तक कुल 58,000 स्वयं सहायता समूह कार्यशील हैं, जिनसे लगभग छह लाख ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हुई हैं। पंजाब सरकार द्वारा रिवॉल्विंग फंड के रूप में 30,000 रुपये, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड के रूप में 50,000 रुपये दिए जा रहे हैं और इन लाभार्थी महिलाओं को 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। अब तक सदस्यों द्वारा लगभग 802.89 करोड़ रुपये के बैंक ऋण लिए गए हैं, जिनकी गैर–निष्पादित परिसंपत्ति दर मात्र 2 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं समय पर ऋण का भुगतान कर रही हैं। बाढ़ के दौरान भी सरकार द्वारा 3,000 पशु खरीदने के लिए लगभग 18 करोड़ रुपये की सहायता बिना ब्याज के प्रदान की गई थी। समग्र सहायता पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा, 卐पीएसआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को न केवल वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, बाजार तक पहुंच, बैंकिंग सहायता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि उनकी सामाजिक स्थिति में भी सुधार कर रही है। हम सभी से अपील करते हैं कि वे अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ें ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और %सशक्त महिला, सशक्त पंजाब% का सपना साकार हो सके।

कांग्रेस ने पूरी दुनिया में भारत को किया शर्मसार - खन्ना

कैपटन सुभाष चंद्र शर्मा

होशियारपुर–पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा नई दिल्ली में ए.आई. शिखर सम्मेलन स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस की युवा शाखा द्वारा जो बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन किया गया है वो कांग्रेस का एक निंदनीय कृत्य है जिसने भारत को पूरी दुनिया में शर्मसार किया है। खन्ना ने कहा की कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी की स्वार्थपूर्ण राजनीति के चलते भारत मंडपम के ए.आई. इम्पैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा व्यवस्था तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और अपनी शर्टें उतारकर प्रदर्शन किया जो इक कांग्रेस की निम्नस्तर की स्वार्थपूर्ण सोच को दर्शाता है। विपक्ष होने के नाते भले ही कांग्रेस ने विरोध किया परन्तु इस सम्मलेन में जब पूरी दुनिया की नज़रें भारत पर तिकी हुई थी तो कांग्रेस ने अपने स्वार्थ की पूर्ती के लिए भारत की आन बान और शान की परवाह नहीं की और दुनिया की नज़र में भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया है। खन्ना ने कहा की कांग्रेस कभी भी देश के हित में कार्य नहीं करती, उसे केवल अपने स्वार्थ की पूर्ती ही सर्वोपरि होती है फिर चाहे उस मामले में देश की शान का ही सवाल क्यों न हो। खन्ना ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव देश कि प्रगति में रोड़ा अटककर अपने राजनीतिक स्वार्थों कि पूर्ती की है जिसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी को शर्म आनी चाहिए।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

एस. के. सक्सैना

नवांशहर- लिवासा अस्पताल नवांशहर ने दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के सहयोग से रविवार को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नाटक में आसपास के गांवों के 600 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें लक्षणों को जल्दी पहचानने, सेल्फ मेडिकेशन से बचने और समय पर चिकित्सा सलाह लेने के बारे में जागरूकता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर के दौरान, लिवासा में कंसल्टेंट – नेफ्रोलॉजी डॉ. अमनिंदर कौर और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कंसल्टेंट–डॉ. सुखराज पाल सिंह ने एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया। उन्होंने मिथकों को स्पष्ट किया, समय पर चिकित्सा परामर्श और निवारक देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए गुर्दे और पाचन विकारों के शुरुआती चेतावनी संकेतों को समझाया। सीईओ–लिवासा हॉस्पिटल्स अनुराग यादव ने कहा, 卐सच्ची हेल्थकेयर जागरूकता से शुरू होती है। जब समुदाय लक्षणों, जोखिमों और निवारक उपायों को समझते हैं, तो वे अपने परिवारों की रक्षा करने के लिए सशक्त हो जाते हैं। इस तरह की जमीनी स्तर की पहल हमारे विश्वास को दर्शाती है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है और ज्ञान कल्याण की दिशा में पहला कदम है। रीजनल फैसिलिटी डायरेक्टर – लिवासा अस्पताल अभिनव श्रीवास्तव ने कहा कि यह पहल सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि एक प्रयत्न था कि स्वास्थ्य संबंधी देखभाल को सभी के लिए सुलभ, भरोसेमंद और प्रभावशाली बनाया जा सके।

कैबिनेट मंत्री संजीवअरोड़ा ने वज़ीराबाद, मंडी गोबिंदगढ़ में कारगिल के दक्षिण एशिया के सबसे बड़े पशु आहार निर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया

वज़ीराबाद इंडस्ट्रियल पार्क में 300 करोड़ का कारगिल डेयरी फ़ीड प्लांट शुरू हुआ, इससे पंजाब के डेयरी और एग्रो–इंडस्ट्रियल ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा

पंकज

चंडीगढ़, औद्योगिक विकास और निवेश सुविधा के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, ऊर्जा एवं स्थानीय निकाय मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने आज इंडस्ट्रियल पार्क, वज़ीराबाद (मंडी गोबिंदगढ़) में ?300 करोड़ की लागत से स्थापित कारगिल प्राइवेट लिमिटेड के नए डेयरी फीड प्लांट का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि माननीय राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल जी तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में 卐इन्वेस्ट पंजाब卐 पहल के माध्यम से राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आ रहे हैं। इन निवेशों से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और राज्य के समग्र आर्थिक विकास को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ता निवेशक विश्वास इस बात का संकेत है कि पंजाब विशेष रूप से कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। राज्य सरकार प्रगतिशील नीतियों और शांतिपूर्ण औद्योगिक वातावरण के माध्यम से व्यवसाय–अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने तथा हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। 15 एकड़ में फैला यह संयंत्र 4.5 लाख मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन क्षमता रखता है और दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा डेयरी फीड प्लांट है। बठिंडा के बाद पंजाब में कारगिल की यह दूसरी प्रमुख इकाई है, जिससे राज्य की कृषि–औद्योगिक मूल्य श्रृंखला और सुदृढ़

होगी। कारगिल प्रबंधन ने संयंत्र की स्थापना में कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के अथक प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने कहा कि यह संयंत्र डेयरी किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा, जिससे दूध उत्पादन, गुणवत्ता और किसानों की आय में वृद्धि होगी। वैज्ञानिक रूप से विकसित यह फीड पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता को बेहतर बनाएगा तथा पंजाब के डेयरी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार पंजाब को देश का अन्न भंडार कहा जाता है, उसी प्रकार वह शीघ्र ही अन्य राज्यों को दूध आपूर्ति करने वाला अग्रणी राज्य भी बनेगा। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने बताया कि 13 से 15 मार्च तक मोहाली में आयोजित होने वाला 卐प्रोग्रेसिव पंजाब इन्वेस्टर्स समिट 2026卐 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की बड़ी भागीदारी आकर्षित करेगा। उन्होंने दोहराया कि सरकार पंजाब को देश के शीर्ष औद्योगिक राज्यों में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पंजाब में उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा है और उद्योगपतियों ने राज्य की सक्रिय एवं प्रगतिशील नीतियों पर संतोष व्यक्त किया है।

गुरमीत सिंह खुडियां ने साथी पोर्टल कार्यों को उचित बनाने के लिए सीड सर्टिफिकेशन अधिकारियों को सौंपे 40 टेबलेट्स

बीज प्रमाणीकरण के लिए डिजीटाईज़ेशन की तरफ बड़ा कदम बताया

एस. के. सक्सैना

चंडीगढ़, बीज प्रमाणीकरण प्रक्रिया में पारदर्शिता यकीनी बनाने और काम में ओर तेज़ी लाने की तरफ एक अहम कदम उठाते हुए मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने अपने फील्ड स्टाफ को टेबलेट्स के साथ लैस किया है जिससे साथी पोर्टल का सारा काम आनलाइन यकीनी बनाया जा सके। विभाग में मुकम्मल डिजीटलाईज़ेशन को असली रूप देते हुए कृषि और किसान भलाई मंत्री स. गुरमीत सिंह खुडियां ने आज बीज प्रमाणीकरण अधिकारियों और सहायकों को 40 टेबलेट्स सौंपे। कृषि मंत्री ने ज़ोर दे कर कहा कि फील्ड अधिकारियों को टेबलेट्स के साथ लैस करने के साथ न सिर्फ़ कागज़ी कार्यवाही ख़त्म होगी, बल्कि इसके साथ जवाबदेही बढ़ेगी और निरीक्षण दौरान खेतों से सीधे तौर पर कम्प्यूटराईज़ड डेटा तुरंत जुटाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता को यकीनी बनाने के लिए खेत की सही भौगोलिक स्थिति को जी.पी.एस के द्वारा रिकार्ड किया जा सकेगा, जबकि तुरंत फोटो अपलोड करने के साथ अधिकारित रिपोर्ट में फसलों की असली स्थिति दर्ज की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि डिजीटलाईज़ेशन के साथ जहां हाथ से काम करने दौरान लिखित गलतियों से निजात मिलेगी, वहीं तुरंत डिजिटल रिपोर्टें तैयार करने में आसानी मिलेगी, जिनको आगे किसानों या उच्च आधिकारियों के साथ सांझा किया जा सकेगा। स. गुरमीत सिंह ने कहा कि प्रक्रिया को ओर सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए किसानों के डिजिटल दस्तख़त सीधे टेबलेट की स्क्रीन पर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जी.पी.एस. के प्रयोग के द्वारा फील्ड मैपिंग की जाएगी जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि निरीक्षण, सही बीज खेत के साथ सम्बन्धित है और टैब पर उपलब्ध फार्म के अनुसार है। इसके इलावा फ़सल की किस्म, आइसोलेशन दूरी, रोग और आफ– टाईप पौधों की संख्या सहित विवरन डिजिटल तौर पर रिकार्ड किए जाएंगे।

ज्योतिसर अनुभव केंद्र व पुरुषोत्तमपुरा बाग पर्यटन स्थलों पर सांग जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की तैयार करेंगे योजना-विश्राम कुमार मीणा

गीता स्थली ज्योतिसर को आध्यात्मिक केंद्र बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

रमन कुमार

थानेसर, –उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ज्योतिसर अनुभव केंद्र व पुरुषोत्तमपुरा बाग पर्यटन स्थलों पर सांग जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की योजना तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गीता स्थली ज्योतिसर को आध्यात्मिक केंद्र बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र को धार्मिक नगरी के साथ–साथ पर्यटक नगरी के रूप में विकसित करने के लिए पूरा सहयोग दे रहे हैं। इसी दिशा में महाभारत अनुभव केंद्र स्थापित किया गया और इसके साथ ही एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि ये प्रस्तुतियां सांग कार्यक्रम ही नहीं है, बल्कि कला, सांस्कृतिक व सामाजिक ताना बाना है। यहीं से समाज के हर वर्ग के लोगों को एक साथ बैठकर भाईचारे को बढ़ावा देने का मंच मिलता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सोमवार को कलाकृति भवन हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में प्रसिद्ध लोक कलाकार धनपत सिंह की स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय सांग महोत्सव 2026 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को पद्मश्री डा. महावीर गुड्डू, ने पगड़ी पहनाकर, प्रोजेक्ट ऑफिसर डा. पवन आर्य ने पुष्प गुच्छ व चित्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रदेशभर से 24 टीमों के बीच सांग का कंपीटिशन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की तरफ से विजेता को 1 लाख का पुरस्कार दिया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि सांग महोत्सव के दूसरे सीजन का आयोजन कुरुक्षेत्र में होना यहां के लोगों के लिए बड़ा सौभाग्य है।

प्रदेश का नाम रोशन करने वालों का सरकार पूरा सहयोग कर रही है। उसी दिशा में इस कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि 5 कार्यक्रम में 24 कलाकारों की पार्टियां हिस्सा ले रही हैं। प्रत्येक लगभग 5 सांगों की प्रस्तुतियां होंगी। इनमें से सबसे बेहतरीन प्रस्तुति देने वाले सांगी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के प्रोजेक्ट ऑफिसर डा. पवन आर्य ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि आज पहले दिन सांगी नेरन द्वारा वीर विक्रमाजीत का, सांगी राजेश कुमार द्वारा हीर रांझा का, सांगी राजपाल द्वारा राजा नल दमयंती और सांगी आजाद सिंह द्वारा पिंगला भरथरी का किस्सा पेश किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने पद्मा श्री महावीर गुड्डू, राष्ट्रपति अवार्डी प्रेम देहाती, सांग मर्मज्ञ एवं रूपकार प्रो. रामनिवास शहरावत, लोक रंगमंच विशेषज्ञ डॉ. हनीफ खान, डीवाईसीए के निदेशक डा. विवेक चावला को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एआईपीआरओ केदारनाथ, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, सुपरीटेंडेंट हाकम सिंह, डा. हरविंद्र राणा, देवेंद्र राणा, धर्मपाल, विकास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने कहा कि दूसरे दिन 24 फरवरी को सांगी कुलदीप द्वारा हीरामल्ल जमाल का, सांगी संजय द्वारा जानी चोर का, सांगी सुभाष द्वारा बणदेवी का, सांगी सतपाल द्वारा गोपीचंद का और सांगी नितिन कुमार द्वारा चंद्रप्रभा मदनपाल का किस्सा पेश किया जाएगा। इसी तरह तीसरे दिन 25 फरवरी को सांगी समंदर द्वारा लीलो चमन का, सांगी कृष्ण लाल द्वारा बणदेवी का, सांगी कृष्ण कुमार द्वारा पिंगला भरथरी का, सांगी स्वामी कर्ण सिंह द्वारा शाही लकड़हारा और सांगी वेद प्रकाश अत्री द्वारा दुष्यंत शकुंतला का किस्सा पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चौथे दिन 26 फरवरी को सांगी सोनू द्वारा बणदेवी का, सांगी उस्मान द्वारा राजाल नल दमयंती का, सांगी इंद्र सिंह द्वारा हीरा मल्ल जमाल का, सांगी राजेश कुमार द्वारा गोपी चंद का और सांगी रतन भारती द्वारा सेठ ताराचंद का किस्सा पेश किया जाएगा। अंतिम दिन 27 फरवरी सांगी रामशरण द्वारा धर्म की जीत का, सांगी राजेंद्र सिंह द्वारा बणदेवी, सांगी रमेश कुमार द्वारा धर्म की जीत का, सांगी बाबू लाल द्वारा राजा उत्तानपाद ध्रुव का जन्म का और सांगी विष्णु दत्त द्वारा विराट पर्व का किस्सा प्रस्तुत किया जाएगा।